मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 03, मार्च-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

विश्व विख्यात मूर्तिकार राम वी सुथार द्वारा अपने बहुमूल्य जीवन के 100 वर्ष पूरे करने पर बधाई और दीर्घायु के लिए हार्दिक मंगल कामनाएं।

विश्व विख्यात मूर्तिकार, पद्म श्री, पदम विभूषण और फ्रांस के विश्वविद्यालय द्वारा डाक्ट्रेट की उपाधि से विभूषित तथा वर्ल्ड बुक आफ रिकॉर्ड में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम दर्ज करवाने वाले, अद्वितीय प्रतिभा के धनी और मूर्तिकला के जादूगर, विनम्रता और सदाशयता की प्रतिमूर्ति राम वी सुथार द्वारा अपने जीवन रूपी बसन्त के अनमोल 100 वर्ष पूरे करने पर, महासभा रुपी परिवार की तरफ से ढेर सारी बधाईयां। परमात्मा आपको दीर्घायु प्रदान करें ताकि आप इसी प्रकार से मूर्तिकला के क्षेत्र में अनवरत साधना में लीन रहें तथा 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, ममता का अगाध प्रतिमूर्ति, परम श्रद्धेय मातृशक्ति को लख-लख बधाई। महिला प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। नव चेतना, उत्साह और उमंग तथा खुशी और खुशहाली के पावन त्यौहार होली और भागोत्सव के पुनीत अवसर पर महासभा रुपी परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। 30 मार्च से शुरू होने वाले शक्ति और भक्ति के प्रतीक, अनन्य साधना और उपासना की द्योतक नवरात्र के पावन अवसर पर महासभा रुपी परिवार की तरफ से सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। विक्रम संवत 2082 की शुभकामनाए। नव विक्रम संवत आपके जीवन में खुशी, खुशिहाली और सुख समृद्धि का पैगाम लेकर आए और परमात्मा की अनुकम्पा आपे परिवार पर सदैव ही बनी रहे।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

प्रधान- श्री रामपाल जांगिड

सम्पादक- रामभगत शर्मा

विश्वविख्यात मूर्तिकार, पदम श्री और पदम भूषणऔर फ्रांस के विश्वविद्यालय द्वारा डाक्ट्रेट की उपाधि से विभूषित, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का डंका बजाने वाले,राम वी सुतार के द्वारा निर्मित प्रतिमाओं के अवलोकन का विहंगम परिदृश्य।

Receiving 'Padma Bhushan Award' from Shri Pranab Mukherjee, President of India

Mr. Ram V. Sutar Receiving 'TAGORE AWARD' from Shri Ram Nath Kovind, President of India in presence of Mr. Narendra Modi Prime Minister of India, Dr. Mahesh Sharma, Union Minister of State for Tourism & Culture & Mr. Anil Ram Sutar

विश्व विख्यात चित्रकार, चित्रकला और संवेदनाओं के चितेरे, अब तक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित, देश की विभिन्न महान विभूतियों को, लगभग 850 पेंटिंग भेंट करने वाले, जांगिड समाज की धरोहर, सदा राम शर्मा की ब्रुश का चमत्कार इन विभिन्न पेंटिंग्स में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

कलाकार सदाराम केंद्रीय ऊर्जा, आवासन तथा शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल को "शहीदों की यादगार" पेंटिंग भेंट करते हुए। 12.01.2025

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AÉROPOSTALE, ARROW, LP (Louis Philippe), PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, home centre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, S3AUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	- 1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	- 51,000/-
रजत सदस्य	- 25,000/-
विशेष सम्पोषक	- 21,000/-
सम्पोषक सदस्य	- 11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	- 2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	- 500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	- 240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	- 20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. विश्वविख्यात मूर्तिकार राम सुतार की चित्रावली.
03. विश्व विख्यात पेन्टर सदाराम शर्मा की चित्रावली.
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. सूचना-महासभा शपथ ग्रहण समारोह एवं नव.
12. देश विदेश में विख्यात मूर्तिकार राम सुतार ने..
16. सन्तोष-राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत..
18. विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सूत्रधार रामप्रसाद...
20. विश्व विख्यात पेन्टर सदाराम शर्मा......
21. 9 फरवरी को सांगानेर जयपुर में अखिल...
22. डॉ.प्रियंका जांगिड मधुमेह पर शोध के लिए..
23. सौरभ शर्मा ने अमेरिका में यश और कीर्ति...
24. कृष्णकांत शर्मा को चित्रकला में अन्तर्राष्ट्रीय..
25. डॉ. सीताराम शर्मा बोर्ड ऑफ मेडिसन कें
26. गांव कमात खेड़ा का बेटा, भारतीय वायु...
27. सिर पर मां-बाप का साया नहीं, दादा ने....
28. मां ने घरों में बर्तन मांज कर, एक निःस्वार्थ..
30. 8 मार्च का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी.
32. जयकृष्ण मणिठिया के जीवन से प्रेरणा.....
33. जांगिड विकास समिति जोबनेर ने 16 दम्पतियों.
34. माता-पितो की सेवा करना ही, सुखी और...
35. जितेन्द्र कुमार शर्मा को, केन्द्रीय जांच ब्यूरों..
36. स्वर्ण सदस्य के मंगलगय भविष्य के लिए...
37. राजस्थान में पांच जिलों के चुनाव सम्पन्न...
38. जिलाध्यक्ष नूंह मेवात, अम्बाला और पलवल...
39. चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद बूंदी,कुचामन डीडवाना,सवाई माधोपुर,..........;
40. सीकर जिलासभा द्वारा समाज उत्थान के लिए..
41. महासभा के प्लेटिनम सदस्य....
47. महासभा के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य
47. महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रू0 के रजत सदस्य
48. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..
57. वैवाहिक विज्ञापन..
58. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..
60. शोक संन्देश
60. शिल्प समाज में जागृति का शंखनाद...
61. जां.विकास समिति जोबनेर सामूहिक विवाह की चित्रावली

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

जीवन में, समर्पण और आत्मविश्वास में ही सबसे बड़ी ताकत है।

मनुष्य जीवन, परमात्मा की अनुकम्पा से मिली हुई एक अनमोल धरोहर है और इस जीवन को सार्थक बनाने के लिए, भगवान ने मनुष्य को बुद्धि और विवेक प्रदान किया है। इस बुद्धि और विवेक के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है और बुद्धि के माध्यम से ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। मनुष्य में यह विशेषता अपनी बुद्धि के कारण ही है और जो मनुष्य अपनी बुद्धि को निरन्तर, सद्ज्ञान की प्राप्ति, आचरण में शुद्धि व परोपकार के कार्यो में लगाता है, उसका जीवन परम धन्य हो जाता है। जीवन में जो व्यक्ति स्वाध्याय को अधिमान देता है, उसके ज्ञान में निरंतर अभिवृद्धि होती रहती है और इसके साथ ही उसमें आत्मविश्वास की भावना भी सदैव ही बलवती बनी रहती है। इसीलिए कहा गया है कि मनुष्य को अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए निरंतर स्वाध्याय करते रहने की नितांत महत्ती आवश्यकता है और स्वाध्याय और अध्यात्म ही, एक प्रकार से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा के लिए मूल मंत्र हैं।

मनुष्य जीवन में, भगवान को प्राप्त करने के लिए, उपासना और साधना करता है और इस उपासना तथा साधना की प्रक्रिया के माध्यम से ही मनुष्य, ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करता है और मेरा मानना है कि मानव जीवन में उपासना और साधना से बढ़कर कोई सत्संग नहीं है। इसी प्रकार ध्यान, उपासना तथा स्वाध्याय करने से प्राप्त ज्ञान एवं प्रेरणाओं का चिन्तन एवं मनन करने से मनुष्य के जीवन में एक प्रकार का स्थायित्व आ जाता है और उसका मन कभी भी विचलित और विषयांतर नहीं होता है। इस प्रक्रिया से गुजरते हुए और ऐसा सद्व्यवहार करते हुए ही, एक मनुष्य ज्ञानी एवं सदाचारी बन जाता है और आत्म सन्तोष से युक्त होकर वह सफलता की ओर निरंतर अग्रसर होता रहता है। मनुष्य जीवन की सफलता के लिए और आत्मा की उन्नति के लिए हमारे वेदों और पुराणों तथा शास्त्रों में अनेक उपाय और साधन बतलाए गए हैं और इन साधनों में पांच यम और पांच नियम भी शामिल हैं।

अगर आप, अपने इस भगवान की धरोहर रुपी जीवन में, सफल होना चाहते हो तो, सब कुछ ईश्वर की मर्जी पर छोड़ दो। **जैसा प्रभु करवाए तुम वैसा ही करो। जहां वह अन्तर्यामी ले जाए, तुम वही पर जाओ। जीवन में उस परमात्मा का हुक्म ही तुम्हारी, एकमात्र साधना हो जाए। तुम अपनी मर्जी को बीच में से बिल्कुल विलुप्त करके, उस दाता की मर्जी से ही चलने दो। इस जीवन जो कुछ भी है, उसको परमात्मा का प्रसाद और उसकी भेंट समझकर ही स्वीकार कर लो।** इसीलिए भगवान कहते हैं कि **तू करता वहीं है, जो तू चाहता है, लेकिन होता वही है जो मैं चाहता हूँ, तू सौंप दें मुझे, फिर होगा वहीं जो तू चाहता है।** परमात्मा को पूर्ण रूप से अपने आप को समर्पित करने से आपकी चिंता फिर वही दीनदयाल ही करेगा। एक बार अजमा कर तो देखो, जीवन खुशियों से भर जाएगा।

जीवन में, अगर दुःख आए तो उसको भी सहर्ष स्वीकार करलो। **जिस परमात्मा ने आपको दुःख दिया है तो, इसमें भी जरूर कोई गहरा रहस्य छुपा होगा। भगवान से कभी भी शिकायत मत करो, अपितु हर समय परमात्मा का धन्यवाद करो, क्योंकि सांसों की डोर उसके इशारे पर चल रही है। इसलिए तुम सदा परमात्मा के प्रति कृतज्ञ रहो और बार-बार भगवान का अन्तःकरण से धन्यवाद व्यक्त करो, जिसने आपको इतना कुछ दिया है। बस इतना ही कहो कि- हे! प्रभु मैं खुश हूं। तेरा हुक्म ही मेरा जीवन है और आप ही मेरे सच्चे मालिक हैं।**

जीवन में सफलता पाने का एक और मूल मंत्र है कि और वह है, असफलता से कभी भी निराश नहीं होना चाहिए, इसलिए हमेशा ही धैर्य बनाए रखना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी मनुष्य को सबसे बेहतर पाने के लिए जीवन के सबसे बुरे वक्त से भी गुजरना पड़ता है और इस दौरान धैर्य और संयम तथा आत्मविश्वास बनाए रखने से ही दुःखों से छुटकारा मिल सकता है और समय आने पर एक दिन आपको इसका आभास होने लगेगा और अन्तःकरण में शांति

मिलने लगेगी । फिर आप चिंता क्यों करते हो ? चिंता उस समय होती है, जिस समय कार्य इच्छा के अनुरूप नहीं होता है। प्रत्येक व्यक्ति सुख की अनुभूति चाहता है और इसके साथ ही दु:खों से छुटकारा भी, क्योंकि वह यह सोचता है, कि मुझे दु:ख क्यों मिला, सुख क्यों नहीं मिला? बीमारी क्यों मिली, तंदुरुस्ती क्यों नहीं मिली है? बैंक बैलेंस को कैसे बढ़ाना है? यह ही सब मूल प्रश्न और सवाल हैं, जो एक सामान्य व्यक्ति को हमेशा ही परेशान करते रहते हैं।

जीवन में कई बार अक्सर देखा गया है कि एक अभिमानी मनुष्य अपने अहंकार के पोषण के लिए दूसरों को कष्ट देना पसंद करता है और स्वाभिमानी व्यक्ति वह है, जो सत्य के रक्षा के लिए स्वयं ही दूसरों के कष्टों का वरण कर लेता है। अभिमान झुकना पसंद नहीं करता, लेकिन स्वाभिमान गलत के आगे झुकने नहीं देता है। **मैं जो कह रहा हूँ वही सत्य है, यह अभिमानी का लक्षण है और जो सत्य होगा उसे मैं स्वीकार कर लूँगा बस यही स्वाभिमानी होने का लक्षण है। लेकिन आप खुद बताओं कि अपने भीतर इतनी परेशानी ढ़ोते रहोगे तो परमात्मा में अपना ध्यान कैसे लगा सकते हो? ध्यान के लिए मानसिक शांति जरूरी है और तुम्हारे पास वह मानसिक शांति कहां से आएगी? इसलिए जीवन में एक ही मूल सूत्र आत्मसात करके, चलना होगा कि जो परमात्मा ने भाग्य में लिखा हुआ है, आखिर में वही मिलेगा, इंसान अपनी तरफ से कुछ भी नहीं कर सकता है और यही जीवन का एक अकाट्य सत्य भी है।**

भारतीय जीवन दर्शन में, त्यागमय जीवन को सर्वोपरि माना गया है और त्याग से ही परम शांति और सुख की प्राप्ति होती है। **दान में भी किसी पर अहसान करने का भाव रहता है और उसमें अपने अहंकार का पोषण होता है और बदले में नाम, यश, कीर्ति, प्रतिष्ठा आदि की आकांक्षा भी बनी रहती है। लेकिन त्याग तो दान से भी ऊपर की स्थिति है जो दु:ख, मोह, क्रोध, अहंकार आदि सब से भी बहुत परे है। जिस व्यवस्था में मन में द्वेष भाव समाप्त हो जाता है और उसके स्थान पर पवित्रता और निर्मलता का वास हो जाता है तो, उसके पश्चात, मनुष्य के हृदय में लोगों के प्रति सदभावना पैदा होती है।** जो इस जीवन का मूलाधार है।

जीवन में हर मनुष्य को निश्चित स्थान पर पहुँचने के लिए अपना लक्ष्य तो निर्धारित करना ही पड़ता है और उसके साथ ही उस हासिल करने के लिए सन्तोष भी जरूरी है। उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गंभीर और सकारात्मक चिन्तन परम आवश्यक है, **जो आत्म–विश्वास के बिना सम्भव नहीं है और जिस समय तक व्यक्ति का अपने ऊपर विश्वास नहीं होगा, तब तक वह जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता है, क्योंकि आत्म–विश्वास ही जीवन में सफलता की कूंजी है।** इसलिए जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय सकारात्मक सोच के साथ–साथ आत्मविश्वास और धैर्य भी जरूरी है, तभी जीवन में लक्ष्य और वांछित उपलब्धियाँ हासिल होंगी।

इसीलिए कहा गया है कि **जीवन में असंतोषी व्यक्ति को कभी भी सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती है। जीवन में, सुख इस बात पर निर्भर नहीं करता है कि हमारे पास कितना धन हैं, अपितु जीवन में सुख इस बात पर निर्भर करता है कि आपके धैर्य की सीमा कहां तक है।** जीवन में सुख अथवा प्रसन्नता, एक व्यक्ति की स्वयं की मानसिकता पर निर्भर करता है। जीवन में सुख का वास्तविक अर्थ कुछ पा लेना नहीं है, अपितु सुख का वास्तविक अर्थ है, **जो कुछ हासिल है उसी में, संतोष कर लेना है। यह सच्चाई है कि जीवन में सुख तब नहीं आता, जब हम कुछ पा लेते हैं अपितु सुख तब आता है, जब सुख पाने का भाव हमारे भीतर से चला जाता में धन से नहीं अपितु धैर्य से प्राप्त होती है।** इसलिए कहा गया है कि जीवन में आने वाली **चुनौतियां ही मनुष्य को साहसी और धैर्यवान बनाती है और जिस समय वह धैर्यवान व्यक्ति अपने आपको परमात्मा के सामने पूर्ण रूप से आत्मसमर्पण कर देता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ जाता है और यही समर्पण और आत्मविश्वास की भावना ही उसे सफलता की दहलीज तक ले जाती है। परन्तु दुर्भाग्य यह है कि आज के इस दौर में कोई भी चुनौतियों का, चाहे वह गृहस्थ जीवन से सम्बंधित हों, या फिर, विद्यार्थी जीवन के बारे में हो।** इसीलिए कहा गया है कि समर्पण और आत्मविश्वास में सबसे बड़ी ताकत है, जो मनुष्य को सफलता के द्वार तक ले जाती है।.................

सम्पादक, राम भगत शर्मा

प्रधान की कलम से ---

जीवन में सन्तोष को आत्मसात करने से असीम सुख की प्राप्ति होती है।

प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं 8 मार्च को **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस** के अवसर पर मातृशक्ति का हृदय से वन्दन करता हूं और इस दिवस की बधाई देता हूं। समुद्र के समान विशाल हृदय, ममता का गहरा सागर और मातृत्व प्यार की अमर गाथा, नारी शक्ति, समर्पण और संघर्ष की प्रतिमूर्ति अदम्य इच्छाशक्ति की प्रतीक नारी का, हृदय की गहराइयों से अभिनन्दन करता हूं। आज की नारी अपने जीवन में साहस, आत्मनिर्भरता और संकल्प के बल पर, न केवल पुरुषों की बराबरी कर रही हैं अपितु एक नया इतिहास भी रच रही है। इसलिए आज के दिन हमें अपनी माता बहनों, पत्नी एवं बेटी तथा सभी महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए ताकि वह नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर सकें।

जिस प्रकार से, आप सभी ने रंगों का त्यौहार, होली और भागोत्सव का पर्व 14 मार्च को बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया और होली के रंगों की तरह अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों की बरसात करने के लिए आगे आएं। इसी तरह आईये! अपने जीवन को नई चुनौतियों और ऊंचाई पर ले जाने के लिए, आपसी सद्भाव और समरसता का परिचय देते, हुए एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़े और अपने जीवन को सफल बनाने का स्तुत्य प्रयास करें।

इसके साथ ही मैं, 30 मार्च से शुरू हो रहे विक्रम संवत 2082 और नवरात्रों की भी बधाई देता हूं, नवरात्र के दौरान, शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के 9 विभिन्न स्वरूपों की भक्तों द्वारा बड़ी आस्था और विश्वास के साथ पूजा अर्चना करके अपने हृदय की अध्यात्मिक प्यास बुझाई जाती है। इस अध्यात्म और भक्ति का संगम रुपी नवरात्रों की महासभा रुपी परिवार को भी अनन्त बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मानव जीवन की एक सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम सभी सुखी रहना चाहते हैं, जीवन में कोई भी व्यक्ति दुःखी नहीं रहना चाहता है। लेकिन जीवन में सुखी रहने के कुछ मूलभूत सिद्धांत हैं। जीवन में केवल सुखी व्यक्ति वही है, जो परम सन्तोष प्राप्त कर लेता है और जिस समय एक व्यक्ति को सन्तोष आ जाता है तो वह धरती को ही अपना सिरहाना समझकर खुश रहता है और उसके लिए परमात्मा का लाख-लाख शुक्र अदा करता है। इसके विपरित असंतोषी व्यक्ति को कभी भी मानसिक सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती है, क्योंकि उसकी अभिलाषा निरन्तर अधिक से अधिक पाने की ओर अग्रसर रहती है। **मैं, यह अपने जीवन के अनुभव के आधार पर, यह निश्चित रूप से कह सकता हूं कि, सुख इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास कितना धन हैं, अपितु जीवन में सुख इस बात पर निर्भर करता है कि आपके धैर्य की सीमा कहां तक है। मुझे वह दिन याद हैं, जिस समय मैं दिल्ली में अपने हाथ से काम किया करता था और एक-एक रुपया बचाने के लिए 10-10 किलोमीटर पैदल चलता था और रात को सोते समय परमात्मा का लाख-लाख शुक्रिया करता था कि- हे! प्रभु आपने यह सुन्दर शरीर दिया है और समय पर जीवन यापन के लिए परिश्रम के माध्यम से काम करने की शक्ति प्रदान की है, यही सन्तोष-की भावना ने मुझे जीवन में कभी भी निराश नहीं होने**

दिया और मैं हमेशा ही एक बात पर विश्वास रखता हूं कि, न तो भाग्य से अधिक कुछ मिलता है और न ही समय से पहले कभी ही कुछ मिलता है।

इस अवधारणा को आत्मसात करते हुए ही सत्यनिष्ठा पूर्वक और इमानदारी से मैं, अपना कार्य करता रहा और परमात्मा ने मेरा, आगे बढ़ने का रास्ता प्रशस्त किया। बैंगलूरू में आने के पश्चात और अधिक संघर्ष और परिश्रम किया। तभी भगवान ने मेरा हाथ पकड़ कर आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। इस संघर्ष भरी यात्रा में, मैंने हमेशा यह अनुभव किया है कि व्यक्ति के चाहने से कुछ नहीं होता है। **जो राम रची राख्या, सो होई।** मनुष्य तो जीवनभर सुख-सम्पत्ति अथवा प्रसन्नता पाने की अभिलाषा में सदैव ही व्यस्त रहता है। **लेकिन यह, एक व्यक्ति की स्वयं की मानसिकता और सोच पर निर्भर करता है कि वह, दु:ख को भी परमात्मा का प्रसाद समझ कर ग्रहण करता है। भगवान शिव कहते हैं कि जिस भक्त को भगवान ने सुख शांति और भक्ति का प्रसाद देना होता है तो, परमात्मा सबसे पहले उस भक्त से उसकी सबसे प्रिय वस्तु छीनकर उसको गरीब बना देते हैं।**

जीवन में कुछ लोग सुख का अर्थ अपार धन-संपत्ति पा लेना ही समझते हैं, लेकिन वास्तविक सुख की परिभाषा जीवन में भौतिकतावादी चीजों का संग्रह नहीं है अपितु सुख का वास्तविक अर्थ है, जो कुछ भी परमात्मा ने दिया है उसी में, परम सन्तोष की अनूभूति करना ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धन है और संतोष कर लेने से ही मानसिक सुख की प्राप्ति होती है। इसीलिए सच्चाई यह है कि **जीवन में सुख तब नहीं आता, जब हम कुछ पा लेते हैं अपितु सुख तब आता है, जब सुख पाने का भाव हमारे भीतर के अन्त:करण से चला जाता है** सोने के महल में भी आदमी दु:खी रह सकता है, यदि पाने की तीव्र इच्छा अभी भी बलवती बनी हुई है तो, और **इसके विपरित झोपड़ी में रहने वाला व्यक्ति भी परम सुखी हो सकता है, यदि उसकी भौतिकवादी चीजे ज्यादा पाने की लालसा पूरी तरह से समाप्त गई हो गई है और वह परमात्मा के हाथ में अपनी डोर सौंप देता है। सन्त महात्मा कहते हैं कि सुख बाहरी की वस्तु नहीं है अपितु सुख, भीतर अन्त:करण में महसूस करने की संपदा है और यह संपदा जीवन में धन से नहीं अपितु धैर्य और सन्तोष से ही प्राप्त होती है।**

इसलिए जीवन में सुखी रहने के लिए सत्य आचरण करें, क्योंकि शुद्ध आचरण ही मानव-जीवन का गहना है। इसीलिए मैं, यह आत्म विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर आप जीवन में सुखी रहना चाहते हो तो, जीवन में सदाचार और सत्याचरण का पालन करें और ऐसा व्यक्ति ही जीवन में सभी का विश्वास प्राप्त कर सकता है और इसके साथ ही अपनी वाणी में मिठ्ठास, व्यवहार में पारदर्शिता और मिलनसार प्रवृत्ति का होने के कारण उस व्यक्ति का कोई भी विरोधी नहीं होता है। **जिस प्रकार सोना आग में तपकर और कसौटी पर कसकर ही खरा उतरता है, उसी प्रकार वह अपने आचरण और व्यवहार के कारण ही सुख की कसौटी पर खरा उतर सकता है।** इसलिए पानी को भी तैरना हो तो, खुद को बर्फ़ में परिवर्तित करना पड़ता है। उसी तरह जीवन में सुखी होना है तो विचारों को समय के अनुसार बदलते रहना पड़ता है। उसी को भगवान का प्रसाद समझ कर ग्रहण करो। आपके जीवन की सभी व्याधि, क्लेश और कष्ट दूर हो जाएंगे।

इसीलिए कहा गया है कि जीवन में आत्मसंतोष को आत्मसात करने से असीम आनन्द की अनूभूति के साथ ही और आत्म संतुष्टि भी प्राप्त होती है। विपुल धन्यवाद।........................

प्रधान, रामपाल शर्मा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041

दूरभाष : 9990070023

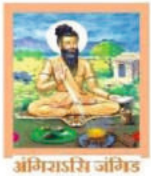

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार (अनिल जांगिड)
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक:- अ.भा.जां.ब्रा. महासभा-दिल्ली/2512/2025 दिनांक:- 17/03/2025

*** सादर-आमंत्रण ***

"" नवगठित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह ""

परम् सम्माननीय समाज बन्धुओं,

॥ जय भगवान, श्री विश्वकर्मा जी ॥

आप सभी समाज बन्धुओं को सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की **नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम त्रैमासिक मीटिंग 14 अप्रैल 2025 सोमवार को, महासभा के नवनिर्मित भवन में प्रातः 10 बजे से, रानी खेडा रोड़, मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली, में निर्विरोध नवनिर्वाचित प्रधान श्री रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में भव्य तरीके से आयोजित होने जा रही है।**

महासभा की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह, सम्माननीय अतिथियों, भामाशाहों, प्रदेश अध्यक्षों, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ तथा महासभा के समस्त सदस्य एवं प्रबुद्ध, समाज बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न होगा। इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में आप सभी ससम्मान सादर आमंत्रित हैं।

इस गरिमामय कार्यक्रम में उपस्थिति, सहभागिता एवं सहयोग के लिए कृपया 14 अप्रैल 2025 सोमवार को, समय पर पहूंच कर, कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने की अनुकम्पा करें। कार्यक्रम का विस्तृत विवरण समयानुसार प्रेषित कर दिया जायेगा।

सादर।

समाज सेवा में सदैव ही तत्पर..

(सांवर मल जांगिड)
महामंत्री - महासभा - दिल्ली

देश विदेश में विख्यात मूर्तिकार राम सुतार ने अपने जीवन के 100 बसन्त पूरे किए

भगवान जिस प्राणी पर अपनी असीम अनुकम्पा की बरसात करते हैं, उनका जीवन चरितार्थ और धन्य हो जाता है और ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व के धनी, भारतीय संस्कृति की विरासत के पुरोधा, विनम्रता और सदाशयता तथा सौम्यता की प्रतिमूर्ति, पद्मश्री, पदम विभूषण, टैगोर पुरस्कार, फ्रांस के विश्वविद्यालय द्वारा डाक्ट्रेट की उपाधि से विभूषित और शिल्प कला के क्षेत्र में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करवाने वाले, विश्व विख्यात मूर्तिकार राम वी सुतार है। जिन्होंने 19 फरवरी को अपने जीवन के 100 बसन्त पूरे कर लिए हैं और इस आयु में भी उनकी इस अनुकरणीय उपलब्धि के लिए समस्त भारत का जांगिड और सुथार समाज, उनकी राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही हृदय की गहराइयों से शिल्प कला के जादूगर राम वी सुतार का आभार व्यक्त करता है।

इस सदी के महान कला के चितेरे राम वी सुतार का, कार्य के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट जिजीविषा आज 100 वर्ष की आयु में भी उनका तेजवान व्यक्तित्व और कार्य करने के प्रति उनकी निष्ठा और सौम्यता युवा पीढ़ी के मूर्ति कलाकारों के लिए एक अतुलनीय उदाहरण है जो जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हैं। राम वी सुतार के चेहरे पर, 100 की आयु पार करने के बाद भी वही सक्रियता और जुझारूपन दिखाई पड़ता हैं, जो उनको आगे बढ़ने के लिए निरंतर अभिप्रेरित करता रहता है । जिस प्रकार से उन्होंने अपनी असीम प्रतिभा और जादुई हुनर के बल पर देश और विदेशों में एक विख्यात मूर्तिकार के रूप में ख्याति अर्जित की है उसका कोई भी सानी नही है ।

राम वी सुतार की कालजयी कृतियां, उनकी अटूट साधना और समर्पण की गवाही दे रही हैं, जिन्होंने पत्थर की मूर्तियों के साथ भावनात्मक तादात्म्य स्थापित करते हुए जो अनूठा स्वरुप प्रदान किया गया है उन सभी मूर्तियों में उनके बुलंद और अपराजेय इरादों कि स्पष्ट झलक दिखलाई देती है। उनके द्वारा देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी बनाई गई मूर्तियों में, भव्यता, दिव्यता और आत्मीयता की झलक स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। राम वी सुतार द्वारा निर्मित यह मूर्तियां आज समाज और देश विदेश की विशाल धरोहर बन गई हैं और यही कारण है कि इन मूर्तियों के निर्माण के पश्चात ही उन्होंने खुद की एक विशिष्ट पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक सिद्धहस्त कलाकार और मूर्तिकार के रूप में स्थापित की है। महाराष्ट्र के धूलिया जिले के एक छोटे से गांव गोंदुर में 19 फरवरी 1925 में पिता वनजी हंसराज सुतार और माता सीता बाई वनजी सुतार के घर में पैदा हुए और इस महान विभूति राम सुतार का 100वां जन्म दिवस 19 फरवरी 2025 को बड़े ही सादगीपूर्ण और गरिमामय तरीके से मनाया गया और इस यात्रा में राम वी सुतार ने, अपने जीवन के 100 बरसों की यात्रा में सम्मानजनक तरीके से अपनी सेहत और काम में सामंजस्य स्थापित करते हुए अपना असाध्य मुकाम हासिल किया है और उन्होंने, अपने जीवन में मूर्ति कला के जनून और मर्मज्ञ के रूप में अनवरत साधना करते हुए जो साधना शुरू की थी वह अभी भी अबाध गति से जारी है ।

एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि जीवन ही चलने का नाम है और मूर्तिकला निर्माण अब मेरा पेशा नहीं अपितु एक जुनून बन गया है और इसी जुनून और सत्य निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए मुझे यहां तक पहुंचाया है और इस सुखद जीवन यात्रा में परमपिता परमात्मा का आशीर्वाद और उनकी असीम अनुकम्पा भी हमेशा ही मेरे साथ रही है, जिसके कारण ही मैं जीवन के इस सफर में यहां तक बढ़ पाया हूं। आज भी काम के प्रति उनकी उत्कृष्ट अभिलाषा और कला के प्रति प्रेम के कारण ही दूर-दूर तक थकावट का कोई नामोनिशान नहीं दिखाई देता है और न ही कभी विश्राम करने की इच्छा बलवती हुई है। उनका स्पष्ट रूप से मानना है कि, जब तक परमात्मा की दी हुई यह सांस रुपी धरोहर और अमानत उनके पास है, तब तक वह अपना सफर अबाध गति से जारी रखेगें और अपने लक्ष्य को हासिल करने में कोई भी कौताही नहीं बरतेंगे। काम के प्रति उनका जुनून इतना है कि वह प्रातः 11 बजे नोएडा

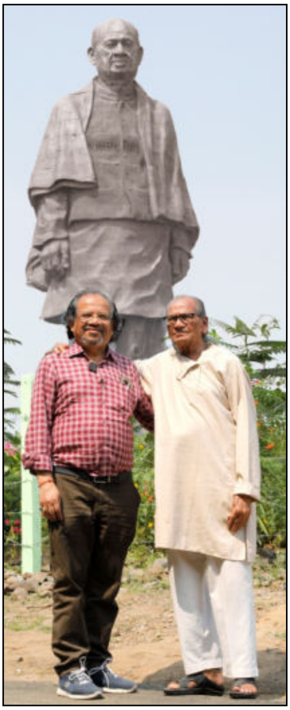

के अपने स्टूडियो में पहुंच जाते है और इसके पश्चात सायंकाल 7 बजे तक नई संकल्पनाओं के साथ कलाकारों का उचित मार्ग दर्शन भी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा आर्किटेक्ट अनिल सुतार भी इस कार्य में दूसरे युवा मूर्ति शिल्पियों की सहायता करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वह सन् 1959 से मूर्ति निर्माण के कार्य में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं और पिछले लगभग साढ़े 7 दशकों से मूर्तियां बनाने के साथ-साथ ही नए, मूर्तिशिल्पियों का मार्गदर्शन करने के साथ ही उनको पारंगत भी बना रहे है।

अपनी जीवन के सफर का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि वह महाराष्ट्र के धूलिया जिले के एक छोटे से गांव गोंदूर में एक कारपैन्टर पिता के घर पैदा हुए और उस समय उनके घर की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं थी और उसने सफलता हासिल करने के लिए जीवन में आगे बढ़ने और संघर्ष करने का फैसला किया और फिर लगभग 34 साल की आयु में महाराष्ट्र से सन् 1959 में दिल्ली आ गए थे और आज 66 साल बाद भी अपने गांव की मधुर स्मृतियां अपने दिल में समाहित किए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में विकट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद भी, वह पढ़ाई में हमेशा ही अव्वल रहते थे और उनको बचपन से ही चित्रकारी करने का शौक लग गया और आगे चलकर यही तीव्र जिज्ञासा देखते-देखते कब जुनून में बदल गई इसका मुझे पता ही नहीं चला और इससे मेरा पूरा जीवन ही बदल गया। मेरे गुरु रामकृष्ण जोशी ने, मुझे मूर्ति कला निर्माण के मामले में पारंगत किया और गुरूदेव रामकृष्ण जोशी की नेक सलाह पर ही मैंने, मुबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स में दाखिला लिया और इस जेजे स्कूल में ही उनकी मूर्तिकला की तरफ इच्छा अधिक बलवती हुई और मेरी अभिरुचि में निरन्तर अभिवृद्धि होती रही और अन्त:करण की आवाज पर मैंने मूर्तिकला निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प लिया और परमात्मा की प्रेरणा और गुरु रामकृष्ण जोशी की उचित सलाह और मार्गदर्शन के बाद ही वह दिल्ली में आ गए।

उन्होंने बताया कि वह अपनी धर्मपत्नी प्रमिला वी सुतार और बेटे अनिल सुतार के साथ दिल्ली आ गए और वह भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रदर्शनी विभाग का एक हिस्सा बन गए। लेकिन सरकारी नौकरी में उनका मन नहीं लगा, क्योंकि भगवान ने मेरे लिए एक बेहतर विकल्प तैयार किया हुआ था और उन्होने पक्की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। उनका चुनौतीपूर्ण समय अब शुरू हुआ था और भगवान ऐसे समय में परीक्षा भी लेता है। मेरे मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति होने के कारण, चुनौतियों का सामना करना शुरू कर दिया और भगवान ने उनको रास्ता दिखलाया और शीघ्र ही नई उम्मीद जगाने लगी और अन्त में मूर्तिकला के क्षेत्र में आशातीत सफलता हासिल हुई । दिल्ली में सरकारी नौकरी छोड़ने के बाद पहली बार सन् 1961 में गांधीसागर बांध पर देवी चंवल की 45 फुट ऊंची मूर्ति बनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ और उसके पश्चात उन्होंने राजधानी में संसद भवन के बाहर लगी गोविन्द वल्लभ पंत की आदमकद मूर्ति बनाई गई, जिसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा हुई। उनकी इन शुरुआती कृतियों में ही मानवीय संवेदनाओं, भावनाओं और गति का अनूठा संगम और सामंजस्य देखने को मिलने लगा था, जिसके कारण उसकी धीरे-धीरे ख्याति फैलने लगी।

राम सुतार के जीवन पर महात्मा गांधी का अमोघ असर रहा है और महात्मा गांधी की एक मूर्ति तो, उन्होंने सन् 1948 में ही बना दी थी और उनके द्वारा बनाई गई महात्मा गांधी की 17 फुट ऊंची प्रतिमा भी संसद भवन में स्थापित की गई है और यह उनकी सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक प्रतिमा मानी जाती है और इसका अनावरण 2 अक्टूबर 1993 को गांधी जयंती पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा किया गया था। इसी प्रकार बिहार की राजधानी पटना का दिल कहे जाने वाले गांधी मैदान में 72 फुट ऊची गांधी की दो बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक मुद्रा में बेहद सुंदर और सजीव प्रतिमा का निर्माण भी राम सुतार ने अपने मूर्ति शिल्पी बेटे अनिल सुतार के साथ मिलकर किया था और यह प्रतिमा 15 फरवरी 2013 को स्थापित की गई थी और ऐसा माना जाता है कि महात्मा गांधी की यह देश की सबसे ऊंची कांस्य प्रतिमा है और गांधी मैदान में लगी, महात्मा गांधी की इस मूर्ति के आधार में, 4 ऐतिहासिक प्रमुख घटनाएं शामिल हैं जिनमें-1933 में दांडी मार्च, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन, 1917 में चंपारण सत्याग्रह और गांधी का प्रतीक चरखा भी अंकित है।

कला के पारखी और विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति राम वी सुथार ने बताया कि उनके द्वारा महात्मा गांधी के अतिरिक्त अयोध्या में 250 मीटर ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा, महाराजा रणजीत सिंह, महात्मा ज्योतिराव फूले, छत्रपति साहू महाराज, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, सरदार पटेल, जय प्रकाश नारायण, स्टेच्यू ऑफ प्रोस्पेरेटी सहित अनेक मूर्तियों का निर्माण किया है। इनमें से संसद भवन में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ध्यान अवस्था में बनी आदमकद मूर्ति एक अनूठी और लाजवाब धरोहर है। उन्होंने कहा कि संसद भवन में स्थापित शिवाजी की 18 फुट ऊंची तांबे की मूर्ति भी उन्होंने ही बनाई थी। इसके अलावा कांस्य, पत्थर और संगमरमर की भी अनेक मूर्तियां बनाई हैं, लेकिन उन्हें कांस्य की मूर्तियां बनाना सबसे अच्छा लगता है और उनका मानना है कि कांस्य से बनी मूर्तियां अधिक मजबूत और टिकाऊ धातु की होने के कारण सदियों तक चलती हैं और कांस्य की मूर्तियों का रखरखाव भी आसानी से हो सकता है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी राम सुतार ने गुजरात में लौह पुरुष सरदार पटेल की चर्चित प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करके अपने आपको विश्व के विख्यात महान मूर्ति शिल्पियों की कतार में शामिल कर लिया है और ऐसा माना जाता है कि, यह दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर यानी 597 फुट है। राम सुथार ने बताया कि इस भव्य प्रतिमा का उद्धघाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को किया गया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर स्थित है। उन्हें 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की रचना करने में बेटे अनिल सुतार और दर्जनों दूसरे साथियों का दिन रात का सहयोग मिला और इस प्रतिमा के कारण ही उनकी प्रतिष्ठा की गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुनाई दी और इसके पश्चात ही फ्रांस के एक विश्वविद्यालय द्वारा उनको डाक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की गई थी और उनको मंगोलिया देश का दा आर्डर ऑफ रोलर स्टार पुरस्कार भी दिया गया।

शिल्पकला के अमर चितेरे, राम वी सुतार इस आयु में भी पूरी सत्य निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करते हैं। उनका मानना है कि वास्तव में मूर्तिकला एक जटिल, असिमित वक्त और मेहनत वाली प्रक्रिया है और एक बेहतर और सफल मूर्तिकार की यह पहचान है कि वह धैर्यवान के साथ-साथ दृढ़ संकल्पित भी होना चाहिए और

इसके अतिरिक्त अच्छे मूर्तिकार को कला और इतिहास के सिद्धांत का भी समुचित ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतर और समर्पित मूर्तिकार तकनीकी रूप से कुशल रचनात्मक, कल्पनाशील, समस्या समाधान में कुशल, धैर्यवान और दृढ़ संकल्प होना चाहिए तभी वह अपने उद्देश्य में आशातीत सफलता हासिल कर सकता है।

राम सुतार ने सभी प्रकार की मूर्तियों का निर्माण किया है। उन्होंने भारतवर्ष के इतिहास और संस्कृति से जुड़ी अनेक मूर्तियां भी बनाई है, जो देश की विभिन्न प्रकार की विरासत को उजागर करती हैं। इनमें हरियाणा के

कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर के तट पर साल 2008 में स्थापित भगवान श्री कृष्ण की अतुलनीय प्रतिमा है, जिसमें भगवान श्री कृष्ण महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को गीता का अमर संदेश दे रहे हैं और इसी प्रकार अयोध्या में निर्मित भगवान श्री राम की 250 मीटर ऊंची प्रतिमा भी शामिल है। यह विशाल मूर्तियां अतुलनीय हैं और उनकी कला में पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर मिश्रण है। वह भारतीय मूर्तिकला की प्राचीन तकनीकों का इस्तेमाल करते है, पर साथ ही आधुनिक डिजाइन और तकनीक को भी आत्मसात करते हैं और इनकी मूर्तियों की खासियत यह है कि इन मूर्तियों में राम सुतार की भावनाएं जीवंत रूप में स्पष्ट रूप से झलकती है और परिलक्षित होती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान ने यह शरीर काम करने के लिए दिया है, आराम करने के लिए नहीं और जब तक शरीर स्वस्थ है, तब तक अपने आपको काम में व्यस्त रखना चाहिए। उन्होने युवा मूर्तिकारो को संदेश दिया है कि कला में निपुण बनने के लिए एकनिष्ठ और समर्पण की भावना से काम करना चाहिए और असफलता से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने राम सुतार को 100 वर्ष की आयु पूरी करने पर बधाई देते हुए कहा है कि राम सुतार ने जिस प्रकार से महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में पैदा होकर अपनी सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए मूर्ति कला को एक नया आयाम प्रदान किया है, उससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी एक विशेष पहचान बनी है और इस उपलब्धि के लिए उनको हृदय के अन्त:करण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि वह मूर्ति कला के क्षेत्र में समाज का और देश का नाम इसी प्रकार से गौरवान्वित कर सके।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा रुपी परिवार की तरफ से अन्तर्राष्ट्रीय मूर्ति कलाकार राम सुतार को, शताब्दी वर्ष की अनन्त शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि राम सुतार के हाथों में कला का जो जादू है, उसका कोई भी सानी नहीं है।वह कला के माध्यम से मूर्तियों को जीवंत और सजीव रूप प्रदान करने में सक्षम हैं और यह भगवान की अनुकम्पा का ही प्रसाद है। उन्होंने परमात्मा से प्रार्थना की है कि भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि उनकी अनूठी कला का लाभ विश्व के कौने-कौने तक पहुंचता रहे।

नाशिक के कलैक्टर जलज शर्मा ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्तिकार को जीवन के 100 बसन्त पूरे करने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि मुझे इनका पैतृक गांव में घर देखने का मौका, धुलिया जिला कलैक्टर रहते हुए मिला और इस विरासत को सहेज कर रखने की जरूरत है। मुझे उनके सुपुत्र अनिल सुतार से भी 19 फरवरी को नाशिक में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा के लोकार्पण के समय मुलाकात हुई। वह अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भगवान राम वी सुतार को दीर्घायु प्रदान करे ताकि उनकी कला का लाभ युवा पीढ़ी को मिल सके।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

सन्तोष- राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत, ने तृतीय वर्ष के एक डॉक्टर की पूरी फीस देकर पुण्य अर्जित किया है।

भगवान जीवन में नि:स्वार्थ भाव से समाज सेवा करने का अवसर किसी-किसी को ही देता है और वह भाग्यशाली, भामाशाह परिवार है, सूरत का, जिन्होंने समाज सेवा के उद्देश्य से एक ट्रस्ट का गठन करके, समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की सहायता करके उनके जीवन को सफल बनाने का संकल्प किया है, ताकि वह इस ट्रस्ट की आर्थिक मदद पाकर, अपने जीवन में सक्षम बन सके। समाज की एक ऐसी ही महान विभूति और दानदाता परिवार है सूरत, गुजरात के रहने वाले, प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा का। सूरत के रहने वाले इन तीनों भाइयों प्रमोद शर्मा, राकेश शर्मा और दिनेश शर्मा ने मिलकर, **सूरत में सन्तोष राधेश्याम जी चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन किया है, जिसका एक मात्र उद्देश्य है, समाज के उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों व गरीब लड़कियों की शादी करना और गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है।**

प्रमोद शर्मा ने बताया कि इस रजिस्टर्ड चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन हमने, अपनी मां के नाम पर मार्च 2024 में किया था, ताकि इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज की गरीब लड़कियों और खिलाड़ियों तथा गरीब बच्चों की शिक्षा में मदद की जा सके। उस समय को याद करते हुए वह भावुक हो गए और कहा कि, एक समय उनके पिता वर्ष 1974 में सीकर जिला राजस्थान से, सूरत शहर में खाली हाथ आए थे और यहां पर आकर परमात्मा पर भरोसा करते हुए, जीवन में संघर्ष किया और उसका फल भी मिला है। आज परमात्मा की अनुकम्पा और माता-पिता के आशीर्वाद से समाज सेवा करने के सौभाग्य इस परिवार को ट्रस्ट के माध्यम से मिल रहा है।

प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि समाजसेवा के संस्कार उनको बचपन से ही अपने माता-पिता से ही मिलें हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मेरे पास, मेरे परम मित्र और गुजरात में, समाज के लोगों की धड़कन, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा और महामंत्री मानाराम सुथार ने, राज0 के जां.ब्रा.समाज के दो गरीब परिवारों के बच्चों के डॉक्टर बनने में आ रही गरीबी रुपी बाधा के बारे में ट्रस्ट को एक पत्र लिखकर अवगत करवाया गया था और इसके साथ ही इन दोनों डॉक्टरों को ट्रस्ट की तरफ से यथासंभव आर्थिक मदद देने की मांग की थी, ताकि वह अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर सकें। नाम न छापने की शर्त पर प्रमोद शर्मा ने बताया कि उनमें से एक डॉक्टर एमबीबीएस कक्षा के, राजकीय मैडीकल कालेज अजमेर में, पहले वर्ष का छात्र है और दूसरा एमबीबीएस का छात्र, देवीदयाल उपाध्याय सरकारी मैडीकल कालेज चुरू में तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है।

इन दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति बड़ी ही दयनीय है और ऐसे विकट समय में उनके लिए **सन्तोष राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट उनके लिए एक सहारा बनकर आई है और इस ट्रस्ट के माध्यम से दोनों डाक्टरी कर रहे छात्रों को, कुल 1 लाख 12 हजार 285 रुपए की सहायता उपलब्ध करवाई गई है, इसमें दीनदयाल उपाध्याय सरकारी मैडीकल कालेज के चुरू के मनोज जांगिड के सपुत्र, तृतीय वर्ष के छात्र की एक वर्ष की पूरी फीस 85265 रुपए देकर उसके डॉक्टर बनने का सपना साकार किया गया है** और इसी प्रकार नागोर जिले के एक छोटे से गांव के रहने वाले, सरकारी मैडीकल कालेज अजमेर में पढ़ने वाले, एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्र और नेमीचंद जांगिड के सुपुत्र को भी इस ट्रस्ट की तरफ से 27 हजार रुपए की सहायता प्रदान करके, डॉक्टर बनने का रास्ता प्रशस्त किया गया है।

प्रमोद शर्मा ने कहा कि **मेरा तो सिर्फ यही मानना है कि देने वाला परमेश्वर है और इसका श्रेय इस ट्रस्ट को मिल रहा है। 'जो कुछ है सो तोर, और तेरा तूझको सोपत क्या लागत है मोर।** यह सब भगवान का ही दिया हुआ है और उसका, उसको सौंपते हुए मेरा क्या लग रहा है?। **'करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है।** करने और कराने **वाला तो वहीं परमात्मा है, लेकिन नाम मेरा हो रहा है।**

इस परोपकार के लिए एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र के पिता मनोज कुमार जांगिड ने, प्रमोद कुमार शर्मा और ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि जिन विकट परिस्थितियों का हमारे परिवार को सामना करना पड़ रहा था और हमारी सारी उम्मीदें धराशाही हो गई थी, ऐसे समय में गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा और महामंत्री मानाराम ने मदद करने का बीड़ा उठाया और मेरी वेदना और पीड़ा को प्रमोद शर्मा तक पहुंचाया और अब मेरे पास प्रमोद के परिवार के साथ ही कैलाश शर्मा और मानाराम का आभार व्यक्त करने के लिए शब्दों का अभाव है।

इसी प्रकार अजमेर सरकारी कालेज के छात्र के पिता नेमीचंद जांगिड ने भी सन्तोष चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ ही, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, विश्वकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर, और राजस्थान प्रदेशसभा के प्रवक्ता महेश जांगिड, सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति प्रमोद शर्मा के परिवार और गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा और महामंत्री मानाराम का भी अन्तःकरण से आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है और कहा कि परमात्मा प्रमोद कुमार शर्मा के परिवार की दान देने की इस भावना को सदैव ही इसी प्रकार से बलवती बनाए रखे। इस परोपकार के कार्य के लिए गुजरात प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री द्वारा भी प्रमोद कुमार शर्मा को, गुजरात प्रदेश सभा की तरफ से आभार और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए पत्र लिखकर, उसके परिवार और ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया है, जिसने जरूरत के समय इन दोनों डाक्टरों को सम्बल प्रदान करके उनका मनोबल को बढ़ाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। अपने पत्र में **उन्होंने कहा है कि आपकी ट्रस्ट के माध्यम से अनूठी पहल और प्रयास निस्संदेह आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।** अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि 'प्रिय प्रमोद शर्मा, राकेश शर्मा और दिनेश शर्मा, बहन रेखा शर्मा का कार्य न केवल समाज के लोगों के लिए, प्रेरणादायक है, अपितु समाज में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी अमूल्य योगदान करने में भी भरपूर रुप से सहायक होगा और आपके परिवार की समाज के प्रति समर्पण और सेवा भावना से, समाज के प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं और लड़कियों के जीवन में नई आशा और संजीवनी का संचार होगा और आपके द्वारा किए गए इन सदप्रयासों से न, केवल उनके जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव आयेगा। आपके इस योगदान के लिए ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा गुजरात'' आपके प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करती हैं।

प्रमोद शर्मा ने समाज के लोगों से पुनः आग्रह किया है कि इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज के प्रतिभावान और गरीब छात्र-छात्राओं और उदीयमान खिलाड़ियों तथा समाज की गरीब लड़कियों की शिक्षा और शादी के लिए ट्रस्ट का लाभ उठाया जा सकता है। **उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि केवल उनको ही दी जाएगी जो इसके लिए पात्र और योग्य पाए जाएंगे होंगे और इस उद्देश्य के लिए उसके परिवार के द्वारा 10-15 लाख रुपए की वार्षिक राशि का प्रावधान किया गया है ताकि ऐसे गरीब और जरूरतमंद लड़कियों की मदद की जा सके।** उन्होंने कहा कि यह वित्तीय सहायता हासिल करने के लिए **मोबाइल नंबर 9898541000** पर कभी भी संपर्क किया जा सकता है और **मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप को कभी भी निराशा हाथ नहीं लगेगी। मैं चाहता हूं कि परमपिता परमात्मा मेरे परिवार की दान देने की भावना को इसी प्रकार से बनाए रखें ताकि परमात्मा इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज के गरीब बच्चों और लड़कियों की सेवा करने और उनके उत्थान और उज्ज्वल भविष्य की गाथा लिखी जा सके।** इसके साथ ही मै, आप सभी से पुनः अनुरोध करता हूं कि इस ट्रस्ट का लाभ उठाने के लिए आगे आए, ताकि जरूरतमंदों की सहायता करके गरीबों और प्रतिभावान युवाओं का जीवन समुन्नत और प्रगतिशील बन सके।

प्रदेश अध्यक्ष गुजरात, कैलाश शर्मा।

विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सूत्रधार राम प्रसाद शर्मा की समाज के प्रति निष्ठा और सेवा की ललक ने उनको अतुलनीय बनाया।

समाज के उत्थान और विकास की भावना से ओत-प्रोत और विनम्रता और सौम्यता की अनूठी मिसाल, जयपुर के रहने वाले, विश्वकर्मा टूडे पत्रिका का बीजारोपण करने वाले, आर पी शर्मा ने जांगिड ब्राह्मण समाज को जागृत करने के लिए स्तुत्य प्रयास किया और कलम के धनी, समाज की इस महान विभूति ने समाचार पत्र और पत्रिकाओं के महत्व को समझते हुए **विश्वकर्मा टूडे** पत्रिका की शुरुआत करके समाज में जागृति का एक शंखनाद किया था, क्योंकि आर पी शर्मा के मन में समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तीव्र अभिलाषा और उत्कंठा थी। उनके अविस्मरणीय योगदान को देखते हुए ही आज यह समाज उनको याद कर रहा है और मैं भी अपनी तरफ से उनके अवतरण दिवस की अग्रिम बधाई देता हूं और समाज उत्थान में उनकी महत्ती भूमिका को सलाम करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल ने, वर्तमान में विश्वकर्मा टूडे चैनल और विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक नरेश शर्मा को अपना सन्देश भेजते हुए कहा है कि आपके **पिता आर पी शर्मा के अन्त:करण में जांगिड ब्राह्मण समाज के प्रति जो उत्कृष्ट जिजीविषा थी, उसको उन्होंने अपनी लेखनी और विश्वकर्मा टूडे के माध्यम से पूरा किया, क्योंकि उनके मन में समाज में अलख जगाने की उत्कंठा हिलोरें ले रही थी और अपने इस मिशन को कामयाब करने के लिए उनका संकल्प और इच्छा शक्ति ने उनको आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया** और मुझे यह लिखते हुए सुखद आश्चर्य हो रहा है कि मन में समाज के लिए कुछ विशेष करने की अभिलाषा को साकार करने के पुनीत उद्देश्य से ''विश्वकर्मा टुडे'' पत्रिका का प्रकाशन सन 17 मई 2011 में, जिस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था उस मिशन में उन्हें न केवल सफलता मिली, अपितु इस पत्रिका को विदेशी धरा तक लोकप्रिय बनाने का कार्य भी किया।

मेरी विश्वकर्मा टूडे पत्रिका, पढ़ने में शुरू से ही दिलचस्पी रही है और इस दिलचस्पी का कारण यह है कि आर पी शर्मा ने अपनी प्रबुद्ध लेखनी की माध्यम से समाज की नब्ज को पहचानते हुए, न केवल उपादेय और सारगर्भित सम्पादकीय लिखे, अपितु समाज के बारे में महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारियां पत्रिका में सांझा करने के साथ ही, समाज के प्रबुद्धजनों के प्रेरणादायक लेखों, सामाजिक गतिविधियों के बारे में भी समाज को अद्यतन जानकारी उपलब्ध करवाने के साथ ही और यहां तक कि कोविड के समय में भी, पत्रिका का सतत् मासिक प्रकाशन होता रहा, जो समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है और यही कारण है कि समाज बंधुओं ने इस विश्वकर्मा टूडे पत्रिका का अंतर्मन से स्वागत किया और भरपूर प्यार दिया और लगभग 4 हजार से अधिक सदस्य इस पत्रिका के साथ जोड़ने का काम किया। यहां तक कि समय की नजाकत को समझते हुए ही उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से इस पत्रिका का ऐसा स्वरूप तैयार किया, जिसकी उस समय बहुत नितांत आवश्यकता थी।

आर पी शर्मा के निधन के पश्चात **इस पत्रिका के संपादन और प्रकाशन के प्रबंधन का दायित्व उनके सुपुत्र नरेश कुमार शर्मा ने संभाला और उनके आदर्शों और सिद्धान्तों का पालन करते हुए ही इस परम्परा को बेहतरीन ढंग से निभा रहे हैं और जो निरंतर चल रहा है। आज यह पत्रिका समाज के लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुकी है और यही कारण है कि इसके**

नए अंक का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। लोगों का प्यार ही इस पत्रिका की वास्तविक ताकत है और आर पी शर्मा के लगाए गए इस पौधे का जिस प्रकार से पल्लवित और पुष्पित कर रहे हैं इसके लिए नरेश शर्मा बधाई के पात्र हैं।

मैं नरेश शर्मा को बधाई देता हूं कि उन्होंने विभिन्न विधाओं में, समाज के कर्म योगियों का एक प्रेरणादायक, अनुकरणीय और संग्रहणीय दस्तावेज ''कर्मयोग के सूत्रधार'' का सफल प्रकाशन कर अपनी उत्कृष्ट पत्रकारिता का परिचय दिया है। **नरेश शर्मा की पारखी नजर ने, आज के इस डिजिटल और इंटरनेट के युग को पहचाना और समय की मांग को देखते हुए ही, अपना यू-ट्यूब चैनल का श्रीगणेश किया, जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक समाचारों को सर्वाधिक महत्त्व दिया जा रहा है और यह प्रयास एक सराहनीय कदम है।** इसके साथ ही समाज की जो धरोहरें, अज्ञात और उपेक्षित थी, उन्हें खोज कर समाज के सामने लाने का भी प्रशंसनीय कार्य ''धरोहर'' कार्यक्रम भी प्रारंभ किया है, जिसके तहत अभी तक लगभग एक सौ एपिसोड तैयार करके प्रसारित किए जा चुके हैं। इन सामाजिक धरोहरों की जानकारी लोगों के सामने आने से, अब इन सामाजिक धरोहरों के जीर्णोद्धार एवं रखरखाव करने का कार्य भी सुचारू रूप से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त समाज के प्रबुद्ध लोगों के ''खास मुलाकात'' का प्रेरणादायक कार्यक्रम भी अपने चैनल के माध्यम से चालू किया गया है । इसके माध्यम से समाज की उन महान हस्तियों के जीवन परिचय के साथ ही, समाज बंधुओं को उनकी समाज के प्रति सोच और आदर्शों को जनसाधारण तक पहुँचने के मूलमंत्र के साथ ही उनके समग्र व्यक्तित्व के बारे में जानने का मौका भी मिला है। इस कार्यक्रम के भी अब तक 100 से अधिक एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं।

आधुनिक युग में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समाज के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा विभिन्न रोगों के लक्षण और उनका उपचार एवं उपायों के बारे में, साक्षात्कार के **माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी देने के लिए ''स्वास्थ्यम'' जैसा महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किया गया है और इसके माध्यम से स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारियां उपलब्ध करवाकर, गरीब लोगों के लिए एक संजीवनी का कार्य कर रहे हैं। आधुनिक भौतिकवादी युग में जैसे-जैसे खान-पान में परिवर्तन आया है। उससे नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं और इस कार्यक्रम के माध्यम से इन बीमारियों के बारे में समय रहते जानकारी उपलब्ध हो रही है और इन बीमारियों के सही ईलाज का पता लगने से, यह स्वाभाविक ही है कि यह स्वास्थ्यम कार्यक्रम लोगों के लिए एक रामबाण सिद्ध हो रहा है।** आज के इस व्यस्ततम युग में इस सराहनीय प्रयास के लिए उनको बधाई और शुभकामनाएं।

मुझे बताया गया है, कि **विगत तीन वर्षों के दौरान इन उपरोक्त सभी कार्यक्रमों के 1200 से ज्यादा वीडियो के 13 लाख से अधिक दर्शक होना और 12 हजार से अधिक सबस्क्राइबर होना, अपने आप में एक कीर्तिमान है जो उनकी बढ़ती हुई लोकप्रियता का पैमाना है और समाज को इस उदीयमान पत्रकार और विश्वकर्मा टूडे न्यूज चैनल हैड, नरेश शर्मा पर समाज को गर्व है।** नरेश शर्मा की इन उल्लेखनीय और अनुकरणीय उपलब्धियों को देखते हुए ही उनको, अन्त:करण से अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा रुपी परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं। उम्मीद है कि नरेश शर्मा, आर पी शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य करते हुए, आधुनिक युग में आ रही चुनौतियो का सामना करते हुए समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में आपसी सामंजस्य बनाए रखते हुए अपने उद्देश्य में सफल होंगे।

परमात्मा की अनुकम्पा उन पर सदैव ही बनी रहे और उसका भविष्य उज्ज्वल हो, मेरी यही यही मंगल कामना है। विपुल धन्यवाद।.....

प्रधान, रामपाल शर्मा।

विश्व विख्यात पेंटर सदाराम शर्मा अब तक 850 पेंटिगज देश की महान् विभूतियों को भेंट कर चुके हैं।

विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुथार द्वारा चित्रकार, सदानंद शर्मा की आर्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

भगवान जिसको हुनर देता है, उसको ख्याति मिलना सहज और स्वाभाविक ही है। चित्रकला की अनवरत साधना करने वाले, मर्मज्ञ चित्रकार और भावनाओं और संवेदनाओं का समावेश करके चित्रकला को एक नया आयाम देने वाले रोहतक के रहने वाले सदाराम शर्मा इसके अद्वितीय उदाहरण है। उनकी यह तपस्या और साधना उस समय से जारी है, जिस समय वह छठी कक्षा में केवल मात्र 12वर्ष के थे और उनका यह सफर पिछले 12सालों से अबाध गति से जारी है। चित्रकला के अमर चितेरे, सदाश्यता और विनम्रता के द्योतक, प्रोफेसर सदा राम शर्मा, जिनके साथ राम का नाम जुड़ा हुआ है, उसकी चित्रकारी कैसी होगी ? इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

पिछले लगभग 62 वर्षों से अपनी चित्रकला साधना में अनवरत गति से अहर्निश कार्य करते हुए, नि:स्वार्थ भाव से देश की प्रतिष्ठित महान विभूतियों को अब तक 850 पेंटिग भेंट कर चुके हैं, जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय मंत्री तथा जज, कुलपति और जिलाधीश, पुलिस महानिदेशक और कलाकार भी शामिल हैं। सदाराम शर्मा ने कहा कि भगवान की प्रेरणा से मैंने 1100 पेंटिग भेंट करने का संकल्प लिया है और इस दिशा में, मैं निरंतर आगे बढ़ रहा हूं और अब तक 850 पेंटिग देश की विभिन्न महान विभूतियों को भेंट की जा चुकी हैं। अभी हाल ही मैं, मैंने एक पेंटिग विश्व विख्यात मूर्तिकार राम वी सुतार को, 19 फरवरी को उनके 100वें जन्मदिन भेंट की है और एक मूर्तिकला के उदीयमान कलाकार है और मैं उनके सामने एक छोटा सा कलाकार। लेकिन राम सुथार द्वारा मुझे कहे गए वह शब्द अभिप्रेरित करते हैं कि आप एक चित्रकार हो और अपनी चित्रकला में भावनाओं और संवेदनाओं का तादात्म्य स्थापित करते हुए उसे एक भव्य मूर्त रूप प्रदान करते हैं। लोगों की आलोचनाओं से मत डरना और उन्मुक्त भाव से अपनी आत्मा की आवाज पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करना। उन्होंने याद दिलाया कि राम वी सुतार ने एक बार उनकी प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया था।

उन्होंने कहा कि इससे पहले फरवरी में ही वह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजबीर सिंह को भेंट कर चुके है। ऐसे कलाकार के जुनून और जोश को क्या कहेंगे? जांगिड ब्राह्मण समाज की अनमोल धरोहर और पेंटिग को पूर्ण रूप से समर्पित जीवन और अनन्य साधना ने उसको जीवन में वह आयाम प्रदान किया है और ऐसा सौभाग्य जीवन में बहुत ही कम लोगों को मिलता ही है। उन्होंने कहा कि पेंटिग करना इतना दुष्कर कार्य है। पहले तो उसकी परिकल्पना करना और फिर उसमें कल्पनाओं के रंग भरके, उनको सजीव और लोकप्रिय कसौटी पर खरा उतरना। यह एक चित्रकार की संवेदनाओं पर आधारित है। कला के साधक और फाईन आर्ट्स कॉलेज चंडीगढ़ से डिग्री हासिल करके, प्रोफेसर के तौर पर हजारों विद्यार्थियों को पेंटिग की कला में पारंगत करने वाले सदाराम शर्मा आज 74 साल की आयु में भी, कला की अनवरत साधना कर रहे हैं और उनका यह समर्पण भाव ही उनको अन्य कलाकारों से अलग करता है। जिस समय चित्रकार सदाराम शर्मा से उनके द्वारा 1100 पेंटिग देश की महान् विभूतियों को प्रदान करने के संकल्प के बारे में पूछा गया तो, उन्होंने बड़ी ही विनम्रतापूर्वक तरीके से कहा कि भगवान ने मुझे यह कला प्रदान की है और मैं चाहता हूं कि यह चित्रकला अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेंटिग बनाने में उनको 14 दिन का समय लग गया था और पेंटिग के लिए किसी से भी एक पैसा नहीं लिया है और सारा खर्च वह अपनी पैन्शन से खर्च करते हैं। अब तक वह लाखों रुपए इन पेंटिंग्स के बनाने पर खर्च कर चुके हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, मूर्धन्य चित्रकार सदाराम शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सब परमात्मा की अनुकम्पा का प्रसाद है और भविष्य में भी वह इसी प्रकार से चित्रकला को नया स्वरूप प्रदान करते रहेंगे।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

9 फरवरी को सांगानेर जयपुर में अखिल राजस्थान जांगिड ब्राह्मण अधिकारी कर्मचारी महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित।

अखिल राजस्थान जांगिड ब्राह्मण अधिकारी कर्मचारी महासंघ का, सांगानेर जयपुर में 9 फरवरी को आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि, भारतीय प्रशासनिक सेवा के राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा ने कहा कि समाज को प्रगति के रास्ते पर अग्रसर करने के लिए और समाज के हित के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम सभी मिलकर ही समाज के युवाओं को नई दिशा और मार्गदर्शन दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सके अभिभावकों द्वारा युवाओं को बेहतर संस्कार प्रदान किए जाने चाहिए और बेहतरीन आचरण के बल पर ही जीवन में आशातीत सफलता हासिल की जा सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान करते हुए, डॉ. समित शर्मा ने कहा कि जीवन में शिक्षा ही केवल एकमात्र, ऐसा मूलमंत्र है जो अज्ञानता के अंधकार का विनाश करके, जीवन में सफलता की नई इबारत लिखने के लिए अभिप्रेरित करती है।

शिक्षा के क्षेत्र मे आगे बढ़ने की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए डॉ. समित शर्मा ने कहा कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इसके लिए तत्काल ही एक विशेष कार्य योजना बनाने की जरूरत है और इस महायज्ञ में संपूर्ण समाज के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित होकर अपना अमूल्य और महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं तथा समाज के युवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन भलीभांति कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित समाज बंधुओं और मंचासीन पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई और युवाओं के समग्र विकास और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे पहले भगवान विश्वकर्मा जी की आरती और पूजा अर्चना की गई और मंचासीन, विशिष्ट अतिथि श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार (राज्य मंत्री), प्रदेशसभा अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल, प्रदेश सभा के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट ओम प्रकाश जांगिड, माननीय न्यायाधीश आठवासिया साहब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सुखदेव जांगिड, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडन, पश्चिम बंगाल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुशील शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष हरिशंकर जांगिड, पूर्व प्रदेश मंत्री सचिन हर्षवाल, प्रदेश सभा के प्रवक्ता महेश जांगिड तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनेतागण का महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राजाराम जांगिड एवं उनकी टीम ने भव्य और गरिमामय तरीके से स्वागत किया।

अध्यक्ष राजाराम जांगिड ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान, समाजहित के विभिन्न आयामों के अंतर्गत, अधिकारियों और कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं एवं उनके सन्तोषजनक ढंग से समाधान के उपायों एवं शिक्षा के विस्तार और विकास पर समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिए गए और कार्य योजना को निश्चय और दृढ़ संकल्प के साथ लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। भगवान विश्वकर्मा के जयघोष के नारों के बीच महासंघ की बैठक सम्पन्न हुई और इसके लिए महासंघ की कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण धन्यवाद एवं बधाई के पात्र हैं। इससे संपूर्ण समाज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा। सभी ने एक स्वर में महासंघ को मजबूत करने का संकल्प किया और विश्वास व्यक्त किया कि महासंघ समाज की उन्नति के लिए इसी प्रकार से कार्य करना रहेगा और यह समाज के लिए एक रामबाण सिद्ध होगा।

ओम प्रकाश जांगिड एडवोकेट जयपुर

डॉ. प्रियंका जांगिड मधुमेह पर शोध के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

जीवन में जो, आगे बढ़ने और अपने सपनों को मूर्त रूप देने के लिए, अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेता है और जो रास्ते में आने वाले सभी झंझावातों और बाधाओं को पार करते हुए अग्रसर रहता है, वह अपने लक्ष्य को सहज ही हासिल कर लेता है। और ऐसी ही एक विभूति है, समाज की प्रियंका जांगिड, जिन्होंने अपना लक्ष्य निर्धारित करके जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। प्रियंका मांगीलाल, सीकर जिले के एक छोटे से गांव, छोटी पुरा में पिता मांगीलाल जांगिड और माता श्रीमती सुमन जांगिड के घर पैदा हुई और उन्होंने अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर, वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम एसीएसआईआर-आरएमआईटी ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम में दाखिला लिया है। जहां पर वह मधुमेह के बारे में अनुसंधान करके, इसको रोकने के उपायों और समाधान के बारे में अनुसंधान करके मानव जाति को लाभान्वित करेगी।

डॉ. प्रियंका जांगिड की मां श्रीमती सुमन जांगिड ने बताया कि उसकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव में ही हुई और उसके पश्चात संदीपन पब्लिक स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा 87.82 प्रतिशत अंक हासिल करके सन् 2010 में पास की और स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से जैव प्रौद्योगिकी में विज्ञान स्नातक सन 2015 में 80.75 प्रतिशत अंक हासिल करके पास की और सन् 2017 में, मास्टर ऑफ साइंस में 8.64 सीजीपीए के साथ पास की है।

डॉ. प्रियंका मांगीलाल जांगिड ने टेलीफोन पर बताया कि वह मधुमेह पर शोध के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रही है और यह कार्यक्रम, भारत के मैसूर और ऑस्ट्रेलिया के दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुए आपसी सहमति और सहयोग के आधार पर आयोजित किया जा रहा है और इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वह संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम के तहत आणविक जीव विज्ञान विषय के तहत मधुमेह पर शोध के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न जाने वाली टीम का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वह बड़ी होकर अनुसंधान करके एक वैज्ञानिक बनना चाहती है और यही कारण है कि उसने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए बचपन से वैज्ञानिक बनने का जो सपना देखा है उसको पूरा करने के लिए सतत् साधना और कर्त्तव्य परायता से मेहनत कर रही है।

डॉ. प्रियंका जांगिड बचपन से ही पढ़ाई में होशियार और प्रतिभावान रही है। उसने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में सन् 2022 में 16वां स्थान हासिल किया और सन् 2021 में आयोजित गेट की परीक्षा में भी 85वां रैंक हासिल करके, शानदार उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जर्नल में भी डॉ. प्रियंका जांगिड के अब तक 5 शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रियंका जांगिड ने मैसूर में आणविक, जीवविज्ञान पर पीएचडी की डिग्री हासिल करने की ओर अग्रसर है और यह उपलब्धि माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतरीन संस्कारों के कारण ही संभव हो सकी है।

डॉ. प्रियंका जांगिड के पिता एक समाजसेवी हैं और वह महाराष्ट्र प्रदेश सभा के नांदेड़ जिला अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रियंका जांगिड ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा 2018 में अखिल भारतीय स्तर पर 37वां रैंक हासिल किया था और इसी प्रकार सन् 2020 अखिल भारतीय स्तर पर 92वां रैंक हासिल किया था और वर्ष 2021 में भी अखिल भारतीय स्तर पर 56वां रैंक हासिल किया था। इसी प्रकार सन् 2017 में इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षा गेट में भी अखिल भारतीय स्तर पर 191वां रैंक और वर्ष 2021 में अखिल भारतीय स्तर पर इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) में 85वां रैंक हासिल किया था और इतना ही नहीं, उसने डीएसटी-एमएससी जैव प्रौद्योगिकी 2015-17 में प्रथम स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक हासिल किया था। इतना ही नहीं उसने सन् 2018 में आयोजित महाराष्ट्र राज्य पात्रता परीक्षा (एमएच-सेट) की परीक्षा भी पास की थी और आईईएलटीएस परीक्षा में कुल 7.5 बैंड अर्जित किए।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज की इस होनहार और उदीयमान सितारा और उल्लेखनीय प्रतिभा की धनी, डॉ. प्रियंका जांगिड को महासभा रुपी परिवार की तरफ से बधाई देते हुए कहा है कि मुझे विश्वास है कि वह अपने नए-नए अनुसंधानों के माध्यम से समाज का कीर्तिमान फैलाने के साथ ही मानवता के कल्याण के लिए मधुमेह के बारे में नया अनुसंधान करके इस बीमारी से छुटकारा पाने के स्थाई समाधान के बारे में बहूमूल्य सुझाव देकर मानव भलाई के मिशन में सफल होगी। मैं उसके मिशन की सफलता की बधाई देता हूं।

इसके साथ ही महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड और नांदेड़ जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर जांगिड और प्रहलाद जांगिड ने भी डॉ. प्रियंका जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

महाराष्ट्र प्रदेश सभा अध्यक्ष नानू राम जांगिड।

सौरभ शर्मा ने अमेरिका में यश और कीर्ति हासिल करके देश का नाम गौरवान्वित किया।

सौरभ शर्मा की नियुक्ति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्मिक कार्यालय में हुई

हरियाणा के सबसे पिछड़े जिले महेन्द्रगढ के नारनौल के रहने वाले पिता अनिल शर्मा और माता श्रीमती शालिनी जांगिड के लाडले, बैंगलुरू में पैदा हुए, सौरभ शर्मा एक ऐसा नाम है, जिसने अपनी कर्त्तव्यपरायता और सत्यनिष्ठा से असाध्य कठिन परिश्रम करते हुए, विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन-2 की टीम में शामिल होने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं और सौरभ शर्मा को ट्रंप-2 प्रशासन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम जिम्मेवारी देते हुए, अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय में की गई है। सौरभ शर्मा की कार्यक्षमता को देखते हुए ही उनको इतना बड़ा दायित्व सौंपा गया है और वह इस प्रक्रिया में स्टाफिंग और नियुक्तियों पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे।

सौरभ शर्मा के दादा राजेंद्र शर्मा ने, सौरभ शर्मा की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सौरभ शर्मा बचपन से विलक्षण प्रतिभा का धनी रहा है और उन्होंने अमेरिकन मोमेंट के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया और यह कर्मिक विकास पर केंद्रित एक प्रकार का कंजरवेटिव ऑर्गेनाइजेशन है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा ने सन् 2019 में ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय से बायोकेमेस्ट्री में डिग्री हासिल करने के पश्चात, उसी वर्ष डोनाल्ड ट्रंप के पूर्ववर्ती कार्यकाल के दौरान, सौरभ शर्मा उन 10 स्टूडेंटस में शामिल थे, जिन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति के सरकारी निवास, व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया था।

सौरभ शर्मा की दक्षता और कार्य करने की उत्कृष्ट जिजीविषा को ध्यान में रखते हुए ही और उनकी कार्य कुशलता को देखते हुए ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनको अपनी संक्रमण टीम में शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि यह नियुक्ति अमेरिका की शीर्ष नियुक्तियों में से एक मानी जाती है। राष्ट्रपति संक्रमण वह प्रक्रिया है, जिसके दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका का निर्वाचित राष्ट्रपति, वर्तमान राष्ट्रपति से संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय सरकार का प्रशासन संभालते की तैयारी करता है। संक्रमण में गैर वर्तमान उम्मीदवारों द्वारा नियोजन को पूरा करने के लिए एक संक्रमण टीम भी शामिल होती है। इसमें कई गतिविधियां शामिल होती है, जैसे कि नए प्रशासन के पदों के लिए उम्मीदवारों की जांच करना, आने वाले प्रशासन की, कार्यकारी शाखा के संचालन में महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में परिचित करवाने में हर सम्भव मदद करना व एक व्यापक नीति मंच विकसित करना है, जो परिस्थितियों के अनुरूप शीध्र निर्णय लेने में सक्षम हो सके।

राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि सौरभ शर्मा के पिता अनिल शर्मा पिछले लगभग 20 वर्षो से (अमेरिका के एक शीर्ष बैंक में एम डी) के पद पर कार्यरत हैं और जो अपने दायित्व का निर्वहन बड़ी ही दक्षता और कार्य कुशलता से निभा रहे हैं। इनकी मां शालिनी जांगिड भी अपने समय में पोदार कॉलेज जयपुर की एक मेधावी छात्र रही और बीडीएम में राजस्थान यूनिवर्सिटी में टॉपर रही है। माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतरीन संस्कारों के कारण ही सौरभ शर्मा इतनी छोटी आयु में राष्ट्रपति के प्रशासन की टीम के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने का सौभाग्य हासिल करने में सफल रहे हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, सौरभ शर्मा की उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि, उसने हरियाणा एक पिछड़े जिले से आकर न केवल जांगिड समाज का अपितु भारतवर्ष का भी नाम गौरवान्वित किया है और यह हमारे लिए गर्व का दिन है। मेरी परम पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि भविष्य में जांगिड समाज के सभी बच्चे इसी तरह समाजसेवा व देश सेवा करते हुए अपनी प्रतिष्ठा को चार चांद लगाने का काम करते हुए देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।

राजेन्द्र शर्मा समालखा, पानीपत

कृष्णकांत शर्मा को चित्रकला में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला

जीवन में एक कलाकार मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होता है और जिस चित्रकार की मानवीय संवेदनाएं, जितनी प्रगाढ़ और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण होंगी, वह चित्रकला उतनी सर्वश्रेष्ठ होगी, इसमें कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है। मानवीय संवेदनाएं अंतर्मन से निकलती हैं, इसलिए उनसे उत्कृष्ट चित्रकला का सर्जन होता है और इसीलिए कहा गया है कि अंतर्मन से निकली हुई कला का जो स्वरूप सामने आता है उसका कोई भी सानी नहीं है। जांगिड समाज के एक ऐसे ही प्रतिभावान और उदीयमान लघु चित्रकार हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। इस लघु चित्रकार का नाम कृष्णकांत शर्मा जांगिड है, जो लघु चित्रकला के क्षेत्र में एक चिर परिचित और जाना पहचाना नाम है। जो छोटू के नाम से भी विख्यात हैं।

लघु चित्रकार कृष्णकांत शर्मा डरोलिया ने, लघु चित्रकला को अपनी अदम्य इच्छा शक्ति और ज्योतिष शास्त्र का संगम करके, अपनी इस कला को एक नया आयाम देकर इसे शिखर तक पहुंचाया है, उन्होंने लघु चित्रकला के क्षेत्र भी अपनी एक विशेष पहचान बनाई है और लघु चित्रकार कृष्णकांत चित्रांकन शैली एवं उप शैली के लिए विश्व विख्यात है और यही कारण है कि उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय शिल्प पुरस्कार 2024 अपने नाम किया है और इस पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र के साथ ही एक लाख रुपए का ईनाम भी हासिल हुआ है। इस प्रकार से उन्होंने अपनी लघु चित्रकला शैली की पहचान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक एक विशेष पहचान दिलवाई है और यह अन्तर्राष्ट्रीय शिल्प पुरस्कार 2024 उनको, एक समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय विश्व शिल्प संस्था द्वारा प्रदान किया गया है। डॉ. घडा हिजवई कादमी 2024 का सर्वोत्तम शिल्प पुरस्कार, अन्तर्राष्ट्रीय विश्व शिल्प संस्थान के अध्यक्ष, साध अली कादमी द्वारा कृष्णकांत शर्मा को प्रदान किया गया है, जिसके कारण उनका नाम विश्व स्तर पर भी विख्यात हुआ है।

कृष्णकांत शर्मा सुपुत्र राधेश्याम शर्मा ने कहा कि यह चित्रकला उन्हें विरासत में मिली है इनका परिवार पिछली 7 पीढ़ियों से चित्रकला जगत में कार्यरत है। दादा गुलाबचंद डरोलिया भी अपने समय के चित्रकला के विख्यात चित्रकार थे और उनकी बनाई हुई स्टोन पेंटिंग्सज, आज भी जयपुर के सीटी प्लेस और म्यूजियम की शोभा बढ़ा रही है। और इसी श्रृंखला में, मुझे भी अपना नाम जोड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और मुझे स्कूल के समय से ही चित्रकला का शौक था और 16 वर्ष की आयु में मैंने गुरुदेव शंकर सोनी से चित्रकला के क्षेत्र में ब्रश का बेहतरीन उपयोग करने तरीका सीखा और एकान्त में गहन साधना करते हुए लघु चित्रकला में पारंगतता हासिल की और मुझे, लोगों का असीम प्यार, प्रेम और विशेष ख्याति मिली है। इसके साथ ही मुझे थोड़ा बहुत ज्योतिषी का भी ज्ञान है, क्योंकि मैं पिछले लगभग 25 वर्षों से वैदिक ज्योतिष शास्त्र का अध्ययन कर रहा हूं और आध्यात्मिक गुणों का समावेश होने के कारण ही, मेरी प्रथम पूज्य श्री गणेश महाराज और भगवान श्री कृष्ण और राधा के प्रति अटूट आस्था और विश्वास है। और वह किशनगढ़ शैली के सिद्धहस्त कला पारखी हैं और इस कारण ही, लघु चित्रकला कलाकार के रूप में इन अनूठी पेंटिंग को जन साधारण तक पहुंचाने के लिए वह स्तुत्य प्रयास कर रहे हैं, साथ ही उनके पास बेहतरीन पेंटिंगज का एक संग्रह भी है और इन कलाकृतियों के बारे में जन साधारण को जानकारी देने के लिए, अपनी लघु चित्रकला कला का कार्यशालाओं के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए, एक विशेष पहचान बनाई है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कृष्णकांत शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा कि, जिस प्रकार से उन्होंने सत्यनिष्ठा और और धैर्य पूर्वक कार्य करते हुए, अपनी लघु चित्रकला को एक सर्वश्रेष्ठ और नया स्वरूप प्रदान किया है वह भविष्य में भी जारी रहेगा मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना हूँ।

सुधीर डेरोलिया, जयपुर

डॉ. सीताराम शर्मा बोर्ड आफ मेडिसिन के रजिस्ट्रार बने।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ही दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट आकांक्षा और सतत् साधना की जरूरत है। इसका ज्वलंत उदाहरण है जयपुर के रहने वाले डॉ. सीताराम शर्मा जो एक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के रूप में अपना सफर शुरू करने वाले रजिस्ट्रार के पद पर पहुंचे हैं और उनको बोर्ड ऑफ इंडियन मेडिसिन राजस्थान सरकार में रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त किया गया है।

जयपुर जिले के एक छोटे से गांव गठवाडी में पिता गणपत लाल शर्मा के घर पैदा हुए डॉ. सीताराम का जीवन गांव की गलियों में बीता और प्रारंभिक शिक्षा गांव गठवाडी में ही हुई। उसके पश्चात माता-पिता के आशीर्वाद और दृढ़ इच्छाशक्ति को आत्मसात करते हुए, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से बी.ए.एम.एस की डिग्री सन् 1993 में हासिल की और उसके पश्चात सन् 1996 में राज0 लोक सेवा आयोग के माध्यम से, राजस्थान सरकार में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के पद पर नियुक्ति हुई और मानव सेवा ही सच्चा धर्म है, इस वाक्य को आत्मसात करते हुए सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से मरीजों की सेवा की। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही उनको वर्ष 2014 में पदोन्नति देकर, सहायक जिला आयुर्वेद अधिकारी बनाया गया और वह इस पद पर सन् 2018 तक कार्यरत रहे ।

डॉ. सीताराम शर्मा ने बताया कि सन् 2021 में राजस्थान सरकार द्वारा उनकी पदोन्नति वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के पद पर की गई और वह 2019 से 2023 तक राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय खेजरोली जयपुर के प्रभारी पद पर भी कार्यरत रहे और इस दौरान उन्होंने सरकार के निर्देशानुसार विभागीय कार्यशालाओ और चिकित्सा शिविरो में सक्रिय भाग लेकर अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन किया और जिसके परिणामस्वरूप अनेक सामाजिक संस्थाओं सहित उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि उनको दो बार प्रतिष्ठित जिला स्तरीय धन्वतरि पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, इतना ही नहीं वर्ष 2021 में उनके कुशल कार्य निष्पादन को ध्यान में रखते हुए ही, जयपुर के तत्कालीन संभागीय आयुक्त डॉ. समित शर्मा द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर भी सम्मानित किया चुका है। कोविड-कोरोना के दौरान उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए ही **दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसियेशन** द्वारा हाईकोर्ट के जज द्वारा प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र से सम्मान किया गया था ।

उन्होंने कहा कि पदोन्नति के इस क्रम में सहायक निदेशक व औषधि निरीक्षक जयपुर के पद पर भी अपनी सेवाएं दी और इस पद पर रहते हुए ही आयुर्वेद विभाग में प्रशंसनीय सेवा एव कुशल कार्य निष्पादन के लिए राज्य स्तरीय धन्वन्तरि पुरस्कार प्रमुख शासन सचिव राजस्थान सरकार द्वारा प्रदान करके सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह विभाग का सबसे सर्वश्रेष्ठ और बड़ा प्रदेश स्तरीय पुरस्कार है। उनकी इन बेहतरीन सेवाओं और विभाग के विभिन्न पदो पर रहते अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा को ध्यान में रखते हुए ही राजस्थान सरकार ने उन्हें हाल ही में रजिस्ट्रार, बोर्ड आफ इण्डियन मेडिसिन के महत्त्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। वर्तमान में इस पद कार्य करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है और मैं विश्वास दिलाता हूं कि अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए समाज के लोगों और जनसाधारण की सेवा करते हुए उनका आशीर्वाद लेने का भरसक प्रयास करुंगा।

रामजी लाल जांगिड, जयपुर।

गांव कमात खेड़ा का बेटा, भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बना।

जो युवा जीवन में सकारात्मकता दृष्टिकोण और उत्कृष्ट जिजीविषा के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित करके, आगे बढ़ने का प्रयास करता है, ऐसे दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प के प्रतीक, जीन्द जिले के एक छोटे से गांव कमात खेड़ा में, पिता सुनील जांगिड और माता श्रीमती सुमन जांगिड के घर पैदा हुए, जयन्त जांगिड ने अपने सामर्थ्य और आत्मविश्वास विश्वास के बल पर यह सिद्ध करके दिखलाया है कि कौन कहता है कि **आसमान में छेद नहीं हो सकता है, एक पत्थर तो उछालो यारो।** जयन्त जांगिड ने अपनी प्रतिभा से इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखाया है। उन्होंने 1 मार्च 2025 को भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर जामनगर एयरपोर्ट स्टेशन पर अपनी डियूटी ज्वाइन की है।

जयंत जांगिड ने बताया कि बचपन से ही वह, देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत होने के कारण ही, देश सेवा के करने के उद्देश्य से ही **वायुसेना या थलसेना में, अपनी सेवाएं देकर भारत मां की सेवा करना चाहता था और मैं खुशनसीब हूं कि परमात्मा ने मुझे भारतीय वायुसेना में देश सेवा करने का सौभाग्य प्रदान किया है और मेरे पिताजी की हार्दिक इच्छा को भी पूरा किया है।** मेरे माता-पिता की हार्दिक इच्छा थी कि उनका बेटा देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करें ताकि देश की सीमाओं की रक्षा हो सके और हम अपनी मातृभूमि का ऋण उतार सकें और देश के लोग रात को चैन की नींद सो सकें । उन्होंने कहा कि इसके साथ ही **मेरी मां श्रीमती सुमन जांगिड ने भी मुझे उत्तम संस्कार दिए और मेरे माता-पिता दोनों ही मेरे प्रेरणा स्रोत और सपोटर्स रहे हैं। उन्होंने मेरे लिए अपने सपनों को त्याग दिया और मुझे सदैव ही जीवन में आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया। मैं अपने माता-पिता द्वारा दिए गए उत्तम संस्कारों के कारण ही इस मुकाम पर पहुंचा हूं।** जयंत जांगिड ने बताया कि उन्होंने एयरफोर्स में जाने के लिए एएफसीएटी की परीक्षा अपने पहले प्रयास में ही पास कर ली थी और इसके साथ ही एस.एस.बी, की परीक्षा भी पास करके भारतीय वायुसेना सेना में मेरा सिलेक्शन हो गया था।

जयंत के पिता सुनील जांगिड ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही बड़ा ही होनहार एवं अनुशासन का पालन करने वाला रहा है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद उसने आई.आई.टी दिल्ली की परीक्षा पास की और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी दिल्ली से, इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इलैक्ट्रोनिक में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और इसी दौरान उनकी जॉब एक मल्टीनेशनल कंपनी में बहुत अच्छी सैलरी के साथ लग गई, लेकिन उसकी सन्तुष्टि नहीं हुई, क्योंकि उनकी उत्कृष्ट जिजीविषा, तो डिफेंस सेवा में जाने की थी और इसके लिए **वह निरंतर प्रयासरत भी रहा और आखिर में, उनका देश सेवा करने का सपना उस समय साकार हो गया, जिस समय उसने भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर का पद ग्रहण किया।** जयंत के दादा रणधीर जांगिड ने, कहा कि जयंत जांगिड इस गांव से भारतीय वायुसेना में इस पद पर आसीन होने वाला पहला युवा बन गया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, जयन्त जांगिड की उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि समाज का युवा आज अपने सपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए, जिस प्रकार से मेहनत और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे न केवल समाज की प्रगति सम्भव है अपितु, युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो रहा है। मैं, जयन्त जागिड के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना करते हुए, आशा करता हूं कि वह भविष्य में भी अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए, न केवल अपने अभिभावकों का, अपितु समाज का नाम भी गौरवान्वित करता रहेगा।

हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य तेलू राम जांगिड ने जयंत जांगिड को बधाई देते हुए कहा है कि वह मेरे परिवार से ताल्लुक रखता है। इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए उनके संस्कार और देश सेवा के प्रति जज्बा और जुनून ही सफलता कारण रहा है, जिससे, उसने न केवल हमारे परिवार का, अपितु जांगिड समाज का नाम भी रोशन किया है। परमात्मा उस पर अपनी कृपा दृष्टि सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखे।

तेलूराम जांगिड, हांसी

सिर पर माँ-बाप का साया नही, दादा ने भविष्य बनाया और नाबार्ड में मैनेजर बने।

इस जीवन में परमात्मा इतनी कड़ी परीक्षा लेता है और इस परीक्षा में आने वाली चुनौतियों का, जो महानुभाव साहस और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते हैं, उनकी सफलता का इतिहास लिखा जाता है और एक ऐसे ही जांगिड समाज के एक प्रतिभावान और उदीयमान युवा है सिवानी जिला भिवानी के रहने वाले शिवम जांगिड, जिसने उत्कृष्ट जिजीविषा को आत्मसात करते हुए, जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया और अब उनका चयन केन्द्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) में मैनेजर के पद पर हो गया है।

शिवम जांगिड नाबार्ड में प्रबन्धक बने

इसे परमात्मा की लीला कहें या शिवम जांगिड का दुर्भाग्य, उसके माता-पिता, एक सड़क दुर्घटना में, इस संसार से चले गए। उस समय शिवम जांगिड की आयु महज तीन साल और छोटे भाई अश्विनी जांगिड की आयु डेढ़ साल और बहन की आयु 4 साल थी, सहित तीनों भाई बहन बचपन में ही अनाथ हो गए और विडम्बना देखिए कि बड़ी बहन कोमल और दो छोटे भाईयों को पालने वाला दोनों में से कोई भी नही रहा। लेकिन परमात्मा एक रास्ता बंद करता है, तो दूसरा रास्ता खोल देता है और यह रास्ता था, उनके दादा रामसिंह जांगिड का, जो इन बच्चों के लिए भगवान बनकर आए और उन्होंने सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर इन बच्चों की देखभाल का दायित्व संभाला और वह भी उस आयु में जिस समय उनकी आराम करने की आयु थी, उसको परमात्मा ने उन्हें देवदूत बनाकर भेजा और इनके दादा का त्याग और समर्पण की भावना ने, इन तीनों बच्चों का जीवन ही बदल दिया और ऐसे समय में इनका सहारा बने, जिस समय इन बच्चों के लिए चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा था। इनके दादा रामसिंह जांगिड ने, जिनकी पत्नी भी इन बच्चों के पैदा होने से पहले ही इस संसार को छोड़कर चली गई थी। ऐसे में उन्होंने खुद ही अपने हाथों से खाना बनाकर खिलाया और मां बाप की तरह लाड प्यार से लालन-पालन किया। घर में पैसे का अभाव था, क्योंकि दादा भारतीय सेना पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले चुके थे, इसलिए उनको बहुत ही कम पैंशन मिलती थी और उसी में ही गुजारा करना पड़ता था। वह तीनों बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए ही खुद संघर्ष करते रहे। उन्होंने शिवम का दाखिला सिवानी के सरकारी स्कूल में करवाया और शिवम ने दादा को निराश नहीं किया और दिन-रात पढ़ाई करके विज्ञान संकाय से मैरिट में स्थान हासिल किया और फिर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में टॉपर रहे और बी. एस.सी. वानिकी में दाखिला लिया और इसके पश्चात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से वानिकी में एम.एस.सी की परीक्षा पास की और उसके पश्चात नैट और जे.आर.एफ की परीक्षा पास की और उसके पश्चात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ही वानिकी संकाय में पीएचडी में दाखिला लिया।

शिवम जांगिड अपने परिवार की आर्थिक हालत से भली-भांति परिचित थे, इसीलिए उन्होंने अपने दादा पर अनावश्यक रूप से बोझ डालना उचित नहीं समझा और क्लास के बाद पैदल ही लाइब्रेरी जाना और उसके बाद बसों से हिसार-सिवानी के बीच आना-जाना उसकी एक आदत सी बन चुकी थी। क्योंकि होस्टल की फीस देने के लिए उसके दादा के पास पैसे नहीं थे। लेकिन उनकी मेहनत और पुरुषार्थ के कारण ही, उन्होंने पहले ही प्रयास में नाबार्ड द्वारा आयोजित मैनेजर की परीक्षा भी पास कर ली और जांगिड समाज का नाम गौरवान्वित किया है। उनके दादा रामसिंह ने भावुक होते हुए कहा कि परमात्मा ने मुझे जो दायित्व सौंपा था, उसको बड़ी सत्य निष्ठापूर्वक पूरा किया और इन बच्चों को कभी भी मां बाप की कमी को खलने नहीं दिया।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, शिवम जांगिड को उसकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से अभाव और गरीबी को मात देकर उसने दूसरे युवाओं के लिए एक आदर्श स्थापित किया है कि मेहनत और लगन के सामने धन की कमी बोनी पड़ जाती है। समाज के दूसरे युवा भी उससे प्रेरणा ग्रहण करके अपने अभिभावकों के सपनों को साकार करने का स्तुत्य प्रयास करेंगे। मैं शिवम् के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

सुनील जांगिड, अध्यापक, पुर भिवानी।

मां ने घरों में बर्तन मांज कर, एक नि:स्वार्थ समाजसेवी की मदद से अपने बेटे को आई आई टी एन बनाया

देखने सुनने में शायद, यह बात आश्चर्यजनक लगती है, लेकिन यह सत्य है कि भगवान इस संसार में है और वह किसी न किसी रूप में आकर जरूरतमंद और अभावग्रस्त लोगों की सहायता करता है और इसका जीवंत प्रमाण मेरे पास है। यह मानना है, आई आई टी इंदौर के अन्तिम वर्ष के छात्र सुमित जांगिड का, जिन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर एक अमेरिकन बहुराष्ट्रीय कंपनी में 22 लाख का पैकेज मिला है। अपनी करुण गाथा का उल्लेख करते हुए उसने बताया कि मेरे पिता हरिप्रकाश जांगिड का सन् 2010 में कैंसर से निधन हो गया और परिवार पर दु:खों का एक प्रकार से पहाड़ ही टूट पड़ा। उस समय मैं पाँचवीं कक्षा में पढ़ता था और मेरा छोटा भाई अमित जांगिड पहली कक्षा का विद्यार्थी था।

सुमित जांगिड ने बताया कि घर में कोई भी कमाने वाला नहीं रहा और मेरी देवी स्वरूप मां ने लोगों के घरों में बर्तन साफ करने और झाड़ू लगाने का काम शुरू किया और जैसे तैसे जीवन की गाड़ी चलने लगी और मैंने 12वीं कक्षा में 91.8 प्रतिशत लेकर घर में ही रहकर आई आई टी की परीक्षा की तैयारी की और संयोगवश मेरा दाखिला, योग्यता के आधार पर आई.आई.टी इन्दौर में हो गया। लेकिन पैसे के अभाव में मुझे अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई देने लगा और मेरी मां श्रीमती भंवरी जांगिड को यह चिंता सताने लगी कि काउंसलिंग के बाद होने वाले प्रवेश और उसकी फीस और अन्य खर्चो का क्या होगा? **एक अखबार ने कंकर से शंकर बनने की कहानी प्रकाशित की** और मुझे उस समय समाज के कुछ महानुभावों ने मदद का आश्वासन भी दिया लेकिन निराशा ही हाथ लगी और फिर राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ऐसे महापुरुष से सितंबर 2021 में परिचय करवाया, **जिसका नाम सुनते ही मेरा सिर श्रद्धा से झुक जाता है और मुझे जांगिड ब्राह्मण समाज के देवता के रूप में समाज की एक ऐसी महान विभूति मिली, जो जरूरत के समय, मेरे लिए एक देवता बनकर आए।**

सुमित जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि मैं परिकल्पना भी नहीं कर सकता हूं कि ऐसे विकट समय में समाज की यह महान विभूति, देवता स्वरूप बनकर मेरा हाथ पकड़कर मुझे सहारा देगी। **उन्होंने भावविह्वल होते हुए कहा कि यह कहानी शुरू होती है उस समय, जिस समय आई आई टी इन्दौर में मैरिट के आधार पर मेरा दाखिला हो गया, लेकिन अफसोस, मेरे पास फीस भरने के लिए पैसे नहीं थे, क्योंकि पिता जी का साया बचपन से ही सिर से उठ गया था और मां के पास कमाई का कोई ठोस साधन नहीं था।** मैंने महासभा और प्रदेश सभा राजस्थान के महानुभावों से अनुनय–विनय की लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा।

सुमित जांगिड ने कहा, कहते हैं कि **जब सभी रास्ते बंद हो जाते हैं तो भगवान एक नया रास्ता खोल देता है और 'नाम न छापने की शर्त पर उसने बताया कि मेरी देवता स्वरूप समाज के इन महानुभाव से व्हाट्सएप के माध्यम से मेरा परिचय हुआ और उन्होंने मेरी इस वेदना और पीड़ा को अपना समझा और अपने बेटे की तरह व्यवहार किया और मुझे निश्चित होकर पढ़ाई**

की तरफ ध्यान देने के लिए कहा, मेरे पास समाज की नि:स्वार्थ भाव की इस प्रतिमूर्ति का आभार व्यक्त करने के लिए आज शब्दों का अभाव है। आज मैंने आई आई टी इन्दौर से अपनी सारी पढ़ाई लगभग पूरी कर ली है और मुझे एक अमेरिकन कम्पनी में 22 लाख के पैकेज के साथ पहले ही नौकरी मिल गई है।

सुमित आगे कहते हैं कि **मुझे याद नहीं कि चार साल के दौरान आई.आई.टी की फीस और होस्टल की फीस के बारे में कभी भी मुझे उस महान विभूति ने दोबारा कहने का या याद दिलाने का मौका दिया हो। इन्होंने स्वयं ही मेरी जरूरतों का ध्यान रखा और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया।** उन्होंने मुझे एक पिता की तरह ही असीम स्नेह, प्यार, सहृदयता और सौम्यता दिखलाते हुए सारा खर्चा खुशी–खुशी से वहन किया। **सुमित की बोलते–बोलते आंखें भर आईं और भावनाओं के वशीभूत होकर उसने कहा कि और इससे भी आगे बढ़कर, इन्होंने मेरी मां श्रीमती भंवरी देवी जांगिड जो कि नवंबर 2024 से कैंसर से पीड़ित है, का इलाज भी यह महान विभूति दिल्ली के एक बेहतरीन अस्पताल में करवा रहे हैं।** ऐसे गुमनाम और समाज के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने वाले, विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक महान विभूति का हृदय के अन्त:करण से आभार व्यक्त करने के लिए मैं उन शब्दों की तलाश कर रहा हूं, पर आज तक वो शब्द नहीं तलाश कर पाया हूँ । **मैं समाज के बच्चों को इतना ही कहना चाहता हूं कि मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता का शोर मच जाए। मैं आज समाज को इतना आश्वासन अवश्य ही दे सकता हूं कि, जिन परिस्थितियों से मैं स्वयं गुजरा हूं, ऐसी परिस्थितियों से गुजरने वाले समाज के युवाओं की यथासंभव सहायता करने का प्रयास करता रहूंगा।** भगवान मुझे ऐसी शक्ति प्रदान करे।

सुमित जांगिड का कड़ी मेहनत करने के लिए जज्बा और विपरीत परिस्थियों में भी अपने आपको सिद्ध करने की क्षमता उसको भविष्य में बहुत आगे तक ले जाएगी। आज की युवा पीढ़ी को सुमित से प्रेरणा लेनी चाहिए कि अगर आप कोई भी चीज ठान लेते हो तो प्रभु भी सही मार्ग दिखाते हैं और किसी ना किसी को जरिया बनाकर आपकी मदद करते हैं। **प्राय: यह देखा गया है कि पैसे के अभाव में कई परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे प्रतिभावान युवाओं की शिक्षा की उचित व्यवस्था ही समाज विकास के लिए एक मात्र रास्ता है।** यह परमात्मा का आदेश या सुमित जांगिड का भाग्य ही कहिए अन्यथा समाज में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो पैसे के अभाव में अपने भविष्य से समझौता कर लेते हैं। ऊंचे भवनों से समाज का विकास नहीं होता है अपितु समाज का सर्वांगीण विकास तो समाज के गरीब परिवारों के प्रतिभावान बच्चों के लिए शिक्षा की समुचित व्यवस्था करने से ही होगा ।

मेरा मानना है कि समाज के लोगों द्वारा समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए एक नहीं तो दो तीन भामाशाहों द्वारा मिलकर ऐसे प्रतिभावान छात्र–छात्राओं की सहायता की जानी चाहिए। हालांकि **श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट और हरियाणा में बनाई गई जांगिड ब्राह्मण छात्रवृत्ति कोष, मुम्बई की विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट और सूरत में बनाई गई सन्तोष राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट** के अलावा समाज में ऐसे दानदाता भी हैं, जो गुमनाम तरीके से गरीब और प्रतिभावान बच्चों की उच्च शिक्षा में सहायता कर रहे हैं। फिर भी इस दिशा में बहुत कुछ और करने की जरूरत है और यह शिक्षा रुपी हवन सभी के सहयोग से ही पूरा हो सकता है।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति का वन्दन

भगवान ने प्रकृति और पुरुष के रूप में पुरुष और नारी के अस्तित्व का निर्माण किया है और नारी की महानता और उसके मातृत्व सहित अनेक असिमित गुणों को देखते हुए महिलाओं के सम्मान में प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। यह महिला दिवस, महिलाओं के अधिकारों, उनकी विशिष्ट उपलब्धियों और उनके संघर्षों की पहचान करने के साथ ही सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वेदों और शास्त्रों में कहा गया है कि **''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:''**। अर्थात जहां महिलाओं की पूजा होती है वहां पर देवता निवास करते हैं और यह बात सत्य है कि नारी केवल श्रद्धा की प्रतीक है और वह सिर्फ देना ही जानती है और उसके त्याग की अमर गाथा का इतिहास लिखने में शब्द छोटे पड़ जाते हैं। मां अपने बच्चों की परवरिश नि:स्वार्थ भाव से करती है और वह खुद कष्ट सहन करके भी अपने बच्चों के सुख में आनन्द की अनूभूति महसूस करती है। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं, मातृशक्ति को नमन करता हूं, क्योंकि उनके समाज उत्थान के लिए अद्वितीय योगदान से समाज को संस्कार, विचार और आकार प्राप्त हुआ है और उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और अदम्य साहस ने हर क्षण हमारे हृदयों को गौरवान्वित किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को नमन

महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। वह हमारे परिवार, समाज और देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं । आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में महिलाओं को भी पुरुषों की बराबरी करने के लिए अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं, लेकिन आज महिलाओं ने सिद्ध कर दिया कि वह किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। फिर भी कुछ हद तक आज भी उनको अनेक विषमताओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि लिंग भेदभाव, घरेलू हिंसा, और शिक्षा और रोजगार के अवसरों में कमी और इन सभी के प्रति ध्यान आकर्षित करने के लिए ही **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिवस का उद्देश्य इन चुनौतियों को दूर करना और महिलाओं को उनके अधिकारों और समानता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करना है। यह दिवस हमें महिलाओं के योगदान को पहचानने और उनका सम्मान करने का अवसर भी प्रदान करता है।

प्राचीन काल से ही महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है और नारी पूजा का भाव, विचार और विश्वास भारतीय मानस में बसा हुआ है। भारत एक नारी प्रधान राष्ट्र रहा है, महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण को उनकी माता के नाम से **यशोदा नंदन एवं देवकीनंदन तथा पांडवों को कुन्ती का पुत्र कोनतेय नाम से जाना जाता था।** भारत में नारी की पूजा शक्ति के रूप में मां भगवती देवी और दुर्गा माता के रूप में की जाती है। भारतीय समाज में नारी का सम्मान, मां के रूप में, एक पत्नी के रूप में, एक बहन के रूप में किया जाता है। नारी के बिना समाज की कल्पना अधूरी है और मातृशक्ति हर मोड़ पर पुरुष का मनोबल बढ़ाती है और सहयोग करती है और साथ निभाती है हर कल्पना को साकार करती है। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सन् 1911 में उस समय मनाया गया था, जिस समय ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी, और स्विट्जरलैंड में महिलाओं ने अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए प्रदर्शन किया था और **वास्तव में ही इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को समाज में समान अधिकार और अवसर प्रदान करना है।**

भारतीय महिलाओं ने देश में ही नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमूल्य योगदान दिया है, जिसका कोई भी सानी नहीं है और भारतीय महिलाओं के अमूल्य योगदान के कुछ प्रमुख उदाहरण इस प्रकार से हैं: श्रीमती इंदिरा गांधी: भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री, जिन्होंने देश की विदेशों में प्रतिष्ठा बढ़ाई और देश हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसी प्रकार श्रीमती प्रतिभा पाटिल: भारत की पहली महिला राष्ट्रपति

बनी और अब वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू देश की प्रथम नागरिक है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और भारतीय मूल की अमेरिकी अन्तरिक्ष परी सुनीता विलियम्स, जो अन्तरिक्ष में 9 महीने 14 दिन व्यतीत करके 19 मार्च 2025 को 4 बजकर 22 मिनट पर नए-नए अनुसंधान करके धरती पर लौटी है और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा रुपी परिवार की तरफ से सुनीता विलियम्स और उसकी टीम को बधाई दी है। इन महिलाओं के अलावा, कई अन्य भारतीय महिलाएं हैं, जिन्होंने, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, साहित्य, और राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आज, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, हमें एक संकल्प लेना चाहिए और इन महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानते हुए, उनके अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए और इसके साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव को दूर करने और उन्हें समान अवसर प्रदान करने की दिशा में सहयोग करना चाहिए । आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही महिलाएं अपने दायित्व का निर्वहन बड़ी ही कुशलतापूर्वक ढंग से कर रही हैं। **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** के अवसर पर, महिलाओं की विशिष्ट उपलब्धियों और संघर्षों के लिए उनको अन्त:करण से सलाम है और आज समाज में लिंग भेद को समाप्त करने के साथ ही उनके अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ उनके सशक्तिकरण के लिए भी कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करने की महत्ती आवश्यकता है और तभी महिलाओं में आत्मविश्वास के साथ ही आगे बढ़ने की शक्ति आएगी और पुरुष और प्रकृति आपस में मिलजुल कर देश की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान दे सकेंगे।

शिक्षाविद एवं अधिवक्ता दीपक शर्मा (जांगिड)

जांगिड पत्रिका के लिए सहायक सम्पादक की आवश्यकता।

जांगिड समाज की प्रतिष्ठित पत्रिका विगत 100 वर्षों से अधिक समय से आपके सहयोग से निरन्तर और अबाध गति से प्रकाशित हो रही है और इस पत्रिका ने अपनी गरिमा और मर्यादा को सदैव ही बनाए रखने को अधिमान दिया है। यह समाज के पुरोधाओं द्वारा लगाया गया एक पौधा है, जिसने आज एक वट वृक्ष का रुप धारण कर लिया है । पत्रिका के सम्पादक के सहयोग के लिए **एक सहायक सम्पादक की तत्काल ही आवश्यकता है।**

अत:, जो भी समाज सेवी, समाज सेवा की भावना से अभिप्रेरित होकर जांगिड पत्रिका में सहायक सम्पादक के रूप में अपनी सेवाएं समर्पित करना चाहता है उसका अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की तरफ से हार्दिक स्वागत है। सहायक सम्पादक के लिए गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले इच्छुक प्रार्थियों को ही प्राथमिकता और अधिमान दिया भी जाएगा।

योग्यता- सहायक सम्पादक के लिए आवश्यक योग्यता में हिंदी विषय में स्नातकोत्तर की डिग्री होने के साथ-साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अनुभव अत्यंत आवश्यक है ताकि पत्रिका के कार्य को सुचारू ढंग से संचालित करने में भरपूर सहयोग और सहायता मिल सके।

जो भी महानुभाव, समाज सेवा करने का इच्छुक है उसको महासभा द्वारा पारिश्रमिक के रूप में घर से आने-जाने के लिए किराए के रूप में 5000 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से मानदेय (ओनरेरियम) के रूप में दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त प्रधान जी इस राशि में संशोधन भी कर सकते हैं, क्योंकि उनको विशेषाधिकार है।

अत: इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा, पूर्ण विवरण सहित, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड के व्हाट्सएप नम्बर **9414003411** या महासभा की मेल आईडी पर **jangid.mahasabha@gmail.com** भी भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए महासभा के कार्यालय मुण्डका भवन के सम्पर्क सूत्र **9990070023** से जानकारी उपलब्ध की जा सकती है।

महामंत्री सांवरमल जांगिड

जयकृष्ण मणिठिया के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में परिव्याप्त कुरितियों और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आगे आएं।

सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति, जांगिड समाज के उज्ज्वल हीरे के समान देदीप्यमान और समाज के मुख्य प्रेरणा स्रोत, महापुरुष अ.भा.जां.ब्रा.महासभा के प्रेरक और समाज में क्रांति का सूत्रपात करने वाले, पंडित जयकृष्ण मणीठिया की 21 फरवरी को पुण्यतिथि पर उनको भावभीने श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए, भगवान विश्वकर्मा मंदिर चूरू में एक सभा का आयोजन किया गया और गुरदेव जयकृष्ण मणिठिया की प्रतिमा पर पुष्प और माला अर्पित करके उनकी समाज के प्रति सेवाओं को याद किया गया।

जिला चूरू में, गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए

चूरू जिला अध्यक्ष, नीरज रोलीवाल ने गुरदेव जयकृष्ण मणिठिया को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि पंडित गुरूदेव जयकृष्ण मणीठिया, संपूर्ण भारत में जांगिड समाज के देदीप्यमान हीरे और असीम प्रतिभा के धनी होने के साथ ही सभी के प्रेरणा स्रोत थे। उन्होंने महासभा के माध्यम से जांगिड समाज को जागृत करने के लिए और इसे, जन-जन तक पहुंचाने के लिए जीवन भर सार्थक प्रयास किया और विगत 118 वर्षों से महासभा, जनाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने संपूर्ण भारत में शिक्षा, सामाजिक एकता एवं रूढ़िवादी परंपराओं का परित्याग करने के लिए सतत अभियान चलाया और वह अपने उद्देश्य में सफल भी हुए। उसी अभियान के तहत **सन् 1947 में चूरू जिले के सरदारशहर में, वह महासभा के अधिवेशन में भाग लेने आए थे और अधिवेशन समाप्त होने के बाद वह चूरु आए और हृदय गति रुकने से वह इस संसार से विदा हो गए।**

रोलीवाल ने बताया कि गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया की याद में, भगवान विश्वकर्मा मंदिर चूरू में उनकी एक भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है और यह प्रतिमा सभी समाज बंधुओं के लिए एक प्रेरणा पूंज के रूप में पथ-प्रदर्शक का कार्य कर रही है। अपनी विद्वत्ता का परिचय देते हुए, उन्होंने समाज के उत्थान के लिए अनेक पुस्तकें भी लिखी। क्योंकि गुरुजी का निधन चूरू में हुआ था, इसलिए इस देदीप्यमान सितारे की याद को, सजीव और जीवंत बनाए रखने के लिए ही, चूरू को गुरुधाम घोषित किया गया है, जो संपूर्ण भारत के जांगिड समाज के लिए एक गौरव की बात है।

नरोत्तमलाल जांगिड ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों की जीवनी से प्रेरणा लेकर ही, युवा पीढ़ी को आगे बढ़ना चाहिए । समाज के महापुरुषों ने अपनी संपूर्ण जीवन यात्रा में, जो-जो कठिनाइयां सही, उसको आत्मसात करते हुए अपने जीवन को आदर्श बनाने का स्तुत्य प्रयास करें और समाज सेवा में अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प लें।

भंवरलाल सावलोदिया ने कहा कि विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में, गुरुजी की जो, प्रतिमा स्थापित की गई है, वह सभी के लिए एक प्रेरणा पूंज के रूप में प्रेरणा प्रदान कर रही है। हम सब उनकी प्रतिमा के सामने पुष्पांजलि करते हुए गौरव की अनूभूति महसूस कर रहे हैं कि समाज के ऐसे महापुरुषों ने समाज को नई दशा और दिशा प्रदान की। जिला महामंत्री बुद्धरमल सीलक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, समाज में एकता के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही आगे बढ़ना चाहिए और यही मूल मंत्र गुरुजी ने जांगिड समाज को दिया था । आज उनकी पुण्यतिथि पर उनको कोटि-कोटि वंदन।

इस अवसर पर बैजूराम राजोतिया, भंवर लाल चोयल, जिला उपाध्यक्ष शंकरलाल खंडेलवाल, उम्मेद कुमार रोलीवाल, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी, ओम प्रकाश जांगिड, चंपालाल जांगिड, प्रहलादराम सूरजाराम राजोतिया, संपत कुमार जांगिड, रामप्रताप जांगिड, प्रेम प्रकाश, मुकेश कुमार, प्रभुराम, संतकुमार, हरखाराम, भगवती प्रसाद, हिमांशु, गौरव, हर्ष आदि अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

जिला अध्यक्ष चूरू, नीरज रोलीवाल।

जांगिड विकास समिति जोबनेर ने 16 दम्पतियों का सामूहिक कन्या दान किया

जीवन में वह माता-पिता सौभाग्यशाली हैं, जिनको कन्यादान करके पुण्य कमाने का अवसर मिलता है। कन्या दान करने के लोभ का संवहरण तो ऋषि मुनि भी नहीं कर सके। कात्यायन ऋषि ने तपस्या करके भगवान शिव से एक वरदान मांगा था कि, **हे! प्रभू मुझे जीवन में कन्यादान करने का सौभाग्य प्राप्त हो और भगवान शिव ने उनकी इच्छा पूरी कर दी और मां पार्वती ने कात्यायन ऋषि के आश्रम में एक कन्या के रूप में प्रकट हुई और कात्यायन ऋषि ने उनका विवाह भगवान शिव से करके कन्या दान करने का सौभाग्य प्राप्त किया था।** मां कात्यायनी की पूजा नवरात्रों में छटे दिन की जाती है। आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में विवाह करना गरीब मां-बाप के लिए एक सपना हो गया है। वैसे तो वैवाहिक बंधन भगवान के द्वारा निर्धारित संयोग और कर्मों के अनुसार ही होते हैं। लेकिन विवाह संस्कार करवाने के लिए एक माध्यम की जरूरत है और भगवान ने, जांगिड ब्राह्मण विकास समिति जोबनेर, को 16 कन्याओं का विवाह करने के लिए एक माध्यम बनाया है।

जां0 ब्रा0 विकास समिति जोबनेर जिला जयपुर द्वारा 6 मार्च को, एक सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम भगवान श्री विश्वकर्मा जी के मंदिर से गाजे-बाजे के साथ 16 दूल्हों की शोभायात्रा निकाली गई जो जोबनेर के प्रमुख बाजारों में से होती हुई, समारोह स्थल पर पहुंची और वहां तोरण और वरमाला का प्रोग्राम करने के बाद, विद्वान पंडितों द्वारा सभी जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार किया गया। उसके बाद समाज के भामाशाहों के साथ सामाजिक सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष राज्यावास के कैलाशचंद गोठड़ीवाल और मुख्य अतिथि प्रदेशसभा राजस्थान के कार्यकारी प्रदेशअध्यक्ष गजानन जांगिड रहे।

इस पुनीत अवसर पर विशिष्ट अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, राजस्थान प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष लखन जांगिड पूर्व जिला अध्यक्ष हरि शंकर जांगिड एवं नवल किशोर जांगिड, महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी नंदलाल खंडेला, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, जांगिड हस्तकला सेवा समिति के अध्यक्ष गणेश जांगिड, जांगिड ब्राह्मण विकास समिति बंदे बालाजी के अध्यक्ष मोहनलाल, कार्यकारी अध्यक्ष कानाराम शाहपुरा, विवाह समिति से दामोदर पवार एवं विभिन्न समितियां के तहसील के अध्यक्षों ने उपस्थित होकर नव दम्पतियो को शुभाशीष और आशीर्वाद दिया तथा उनके सफल वैवाहिक जीवन की मंगल कामना की।

जां0 ब्रा0 विकास समिति के अध्यक्ष शंकर लाल बारु, सामुहिक विवाह सम्मेलन के संयोजक राजेंद्र कुमार शर्मा जांगिड, कार्यालय मंत्री सीताराम अटकोलिया, कोषाध्यक्ष विक्रम कासलीवाल, मंत्री गोपाल काला, उपाध्यक्ष बजरंग लाल, रेनवाल, उपाध्यक्ष जगदीश बोंदवाल, राधेश्याम अटकोलिया, बल्लू जांगिड, बंदे बालाजी धर्मशाला के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश जांगिड और पूर्व कोषाध्यक्ष रामनिवास काला, सुरेश और समाज के भामाशाहों के द्वारा समाज की बच्चियों के लिए दिल खोलकर उपहार स्वरूप अनेकों वस्तुएं भेंट की गई। दीप विश्वकर्मा के संपादक हरिराम जांगिड, विश्वकर्मा न्यूज़ के महेश जांगिड, गीतेश जांगिड और राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, दैनिक नवज्योति के स्थानीय पत्रकार भी उपस्थित रहे।

जां0 ब्रा0 विकास समिति के अध्यक्ष शंकरलाल बारु व समस्त कार्यकारिणी द्वारा समारोह में उपस्थित हजारों की संख्या में उपस्थित समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया और इस पुनीत कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की गई और सामाजिक सम्मेलन के बाद शाम को वर-वधु को विदाई दी गई। विदाई स्वरूप समाज के भामाशाहों के द्वारा उपहार में भेंट की गई सभी वस्तुएं दान स्वरूप भेंट की गई। सम्मेलन के बाद, सम्मेलन अध्यक्ष तथा विकास समिति अध्यक्ष के द्वारा उपस्थित का हार्दिक आभार तथा धन्यवाद व्यक्त किया गया। इसके साथ ही दानदाताओं, समाज के भामाशाहों और नगर पालिका जोबनेर के अधिकारियों और कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया है। मंच का बेहतरीन और प्रशंसनीय ढंग से मनोहारी संचालन मुकेश झजवाड और जगदीश साख ने किया और कार्यक्रम की क्रमबद्धता को बनाए रखा।

संयोजक राजेंद्र कुमार शर्मा जांगिड

माता पिता की सेवा करना ही, सुखी और सफल जीवन का मूलाधार है

इस संसार में मानव का जीवन परमात्मा की दी हुई एक अनमोल धरोहर और श्री मद्भागवत गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि मानव जीवन पूर्व जन्मों के कर्मों के अनुसार ही मिलता है। लेकिन जिस समय बच्चे का जन्म होता है उसके लिए परमात्मा के आशीर्वाद के साथ-साथ माता-पिता का भी अंहम योगदान है और यदि हमारे माता-पिता नहीं होते, तो हमारा जन्म नहीं होता, हमारे जीवन के सूत्रधार माता पिता ही हैं। ईश्वर का विधान है कि मृत्यु होने पर जीवात्मा पुराना शरीर त्याग कर, सूक्ष्म शरीर के साथ जीवात्मा अपने कर्मो के आधार पर पुनः जन्म लेती है। अपनी सन्तान को जन्म देने तक, मां को अनेक प्रकार की वेदनाओं और कष्टों का सामना करना पड़ता है और यह कष्ट माताएं अपनी सन्तान के सुख, समृद्धि एवं उन्नति के लिये ही सहन करती हैं।

बच्चे के जन्म के पश्चात् उसका पालन-पोषण एवं ज्ञानार्जन के लिए शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ माता-पिता को अपने बच्चों का विशेष ध्यान भी रखना पड़ता है और वर्षों की सतत् साधना और कठोर तपस्या के कारण माता-पिता की आयु निरन्तर बढ़ती ही रहती है और धीरे-धीरे वह प्रौढ़ व वृद्ध हो जाते हैं और उनका अधिकतर समय, अपनी, सन्तान की रक्षा, पालन पोषण व उनकी शिक्षा-दीक्षा में ही व्यतीत हो जाता है और ऐसे विकट समय में अभिभावकों की आयु बढ़ने के साथ माता-पिता को अपने बच्चों की सहायता और विशेषकर प्रौढ़ व रुग्ण अवस्था में सेवा की अधिक जरूरत पड़ती है।

प्राचीन काल से हमारे देश में, वैदिक संस्कारों का ही प्रचलन रहा है और पहले सभी संयुक्त परिवार में ही रहते थे और परन्तु धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति के दुष्प्रभाव के कारण ही आज एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ रहा है और जिसके कारण बच्चे भी अपने माता-पिता को बोझ समझने लगते हैं। आधुनिक युग में जो सन्तान अपने माता-पिता की सेवा करती है वह धन्य हैं और जो नहीं करती है, उनको अपने आचार व विचारों में सुधार करना चाहिये, अन्यथा भविष्य में उन्हें भी माता-पिता बनना है और उनका भी वैसा ही हश्र होगा, आज जो वह अपने माता-पिता की उपेक्षा करके उनके साथ कर रहे हैं।

मेरा मानना है कि अपनी संतानों को आरम्भ से ही उत्तम संस्कार देने के साथ ही उनको अपने कर्त्तव्यों का बोध भी करवाया जाना चाहिए और यदि उनको बचपन में माता-पिता की सेवा विषयक संस्कार नहीं दिये जायेंगे, तो बड़े होने पर कानून के माध्यम से भी उनसे सेवा नहीं कराई जा सकती है। इस जटिल समस्या के निराकरण के लिए सन्त महात्माओं और धर्माचार्यों व समाज शास्त्रियों को आगे आना चाहिए ,जिससे प्रौढ़ व वृद्धावस्था में माता-पिता सुख का जीवन व्यतीत कर सकें। भगवान महात्मा बुद्ध ने कहा है कि जीवन में, माता-पिता और बड़े बुजुर्ग लोगों की छत्रछाया बोझ नहीं है, अपितु वह एक वरदान है और वह उस वटवृक्ष की तरह है, जिसकी छाया सहज रूप में ही हमें सकुन देती है। वास्तव में इनकी महापुरुषों की छत्रछाया ही एक प्रकार से हमारे जीवन का वास्तविक सुरक्षा कवच है। इस सुरक्षा कवच को संभाल कर रखने की इस जीवन में महत्ती जरूरत है और यही हमारी महान संस्कृति और संस्कारो का द्योतक है। इस मानव जीवन में, जो व्यक्ति इन उदात्त संस्कारों का पालन करता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है ।

वैदिक धर्म एवं संस्कृति संसार की सबसे प्राचीन व आदि संस्कृति है। वेदों में माता, पिता तथा आचार्य को देवता कहा गया है। चेतन देवताओं में परमात्मा के बाद माता-पिता तथा आचार्य आदि का स्थान आता है। मनुस्मृति के एक श्लोक में कहा गया है कि जहां नारियों व माताओं के प्रति सद्व्यवहार होता है,

वहां नारियां प्रसन्न व सन्तुष्ट रहती हैं तथा वहां उन परिवारों में सन्तान के रूप में देवता निवास करते हैं। माता–पिता की आदर्श सेवा का उदाहरण, हमें बाल्मीकि रामायण ग्रन्थ का अध्ययन करने से भी मिलता है। भगवान श्री राम का आचरण व आदर्श व्यवहार सर्वश्रेष्ठ था। अपनी कर्त्तव्य परायणता के कारण उन्हें अनेक कष्ट भी उठाने पड़े और माता–पिता के वचनों का पालन करने के लिये ही, उन्होंने 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया और अपने छोटे भाई भरत को अपना राज्य सिंहासन सौंप दिया। जो सन्तानें अपने माता–पिता की सेवा–सुश्रुषा से दूर हैं, उनके लिए रामायण का यह सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है ।

आज के समाज में हम देखते हैं कि शिक्षा व संगति के कारण सन्तानें व युवा पीढ़ी अपने माता–पिता से दूर होती जा रही है। अतः हमें अपनी वैदिक संस्कृति पर पुनः लौटने की आवश्यकता है। महाभारत में युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्नों के उत्तर देते हुए, यक्ष से कहा था कि **माता पृथ्वी से भारी है। पिता आकाश से भी ऊंचा है। मन वायु से भी अधिक तीव्रगामी है और चिन्ता तिनकों से भी अधिक असीम विस्तृत व अनन्त है।** युधिष्ठिर के वचन हैं **माता गुरुतरा भूमेः पिता चोच्चतरं च खात्। शास्त्र माता को सन्तान की निर्माता बताते हैं।**

महाराज मनु ने कहा है कि 10 उपाध्यायों से एक आचार्य, 100 आचार्यों की अपेक्षा एक पिता और हजार पिताओं की अपेक्षा एक माता गौरव में अधिक बड़ी है। वैदिक संस्कृति में प्रति दिन जीवित माता–पिताओं की पूजा वा सेवा–सुश्रुषा करने का विधान है और इन्हीं सर्वश्रेष्ठ परम्पराओं को आत्मसात करते हुए हमें जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और आपका जीवन एक स्वर्ग के समान बन जाएगा।

श्रीमती रुपा रानी शर्मा।

जितेन्द्र कुमार शर्मा को, केन्द्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक द्वारा गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया।

जो साधक जीवन में सत्य निष्ठा और ईमानदारी से अपना कार्य करता है उसका पारितोषिक उसको समय आने पर अवश्य ही मिलता है और ऐसे ही जांगिड समाज के एक कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारी हैं, जितेन्द्र कुमार शर्मा हैं, जो केन्द्रीय जांच ब्यूरो में वरिष्ठ अभियोजक के पद पर आर्थिक अपराध शाखा मुम्बई में कार्यरत हैं। जितेन्द्र कुमार शर्मा की, उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही केन्द्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक प्रवीण सूद के द्वारा उनको दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में 17 जनवरी को, सर्वश्रेष्ठ, वरिष्ठ अभियोजक की सेवाओं के लिए स्वर्ण पदक प्रदान करके सम्मानित किया गया ।

उल्लेखनीय है कि जितेन्द्र कुमार शर्मा, गांव कालोता, जिला दौसा में पिता गणपत लाल जांगिड के घर पैदा हुए और वह सन् 2013 में विशाखापटनम में केन्द्रीय जांच ब्यूरो में भर्ती हुए और सन् 2015 से वह महाराष्ट्र के मुम्बई में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं और वह केंद्रीय जांच ब्यूरो की तरफ से, महाराष्ट्र उच्च न्यायालय में केन्द्रीय जांच ब्यूरो के मामलों की पैरवी करते हैं। उन्होंने सन् 2022 में एलएलएम की डिग्री हासिल की और उनकी ज्ञान पिपासा यही शांत नहीं हुई और अब वह कानून विषय में डाक्ट्रेट की डिग्री कर रहे हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, स्वर्ण पदक हासिल होने पर जितेन्द्र कुमार शर्मा को बधाई देते हुए कहा है कि जिस प्रकार से उन्होंने सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपनी प्रतिभा के बल पर स्वर्ण पदक हासिल किया है। यह उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और उत्कृष्ट जिजीविषा को परिलक्षित करता है। आशा है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से परिश्रम और पुरुषार्थ करते हुए समाज और अपने संस्थान का नाम गौरवान्वित करेंगे।

सम्पादक, रामभगत शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्वर्ण सदस्य के मंगलमय भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और प्रदेश अध्यक्ष प्रभू बरनेला, रमेश चन्द्र शर्मा की शादी की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ पर बधाई देते हुए।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल श्री जस्टिस व्ही. एस. कोकजे ने कहा कि वैवाहिक जीवन पति पत्नी के आपसी सहयोग और विश्वास पर चलता है और अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्वर्ण सदस्य रमेश चन्द शर्मा और उनकी अर्धांगिनी श्रीमती पुष्पा शर्मा इसकी जीवन्त मिसाल हैं। जिन्होंने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ की स्वर्ण जयंती मनाकर, आज की युवा पीढ़ी को एक सकारात्मक संदेश दिया है कि, पति-पत्नी एक सिक्के के दो पहलू हैं और जीवन में आपसी तादात्म्य ही सुखी दाम्पत्य का मूलाधार है।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने रमेश चन्द्र शर्मा और उनकी धर्मपत्नी को वैवाहिक वर्षगांठ की स्वर्ण जयंती पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति रमेश चन्द्र शर्मा ने अपने जीवन साथी को पूरा मान-सम्मान दिया और एक दूसरे की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक दूसरे के लिए एक प्रेरणा बनकर कार्य किया और उनके सफल जीवन का भी यही रहस्य है। परमात्मा इनको दीर्घायु प्रदान करे।

इस अवसर पर उच्च न्यायालय के पूर्व एवं वर्तमान न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ अधिवक्ता, उद्योगपति, मध्य प्रदेशसभा के अध्यक्ष प्रभू बरनेला ने भी शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई । इस भव्य आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने भी रमेश चंद्र शर्मा और पुष्पा शर्मा के जीवन के अनमोल क्षणों को संजोते हुए एक विशेष आगमन नृत्य प्रस्तुति भी दी।

मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि रमेश चंद्र शर्मा ने जीवन साथी के रूप में श्रीमती पुष्पा शर्मा के साथ अपने वैवाहिक जीवन का 50 वर्षों का सफर और वैवाहिक जीवन को प्रेम, समर्पण और समझदारी के साथ निभाया है और गृहस्थ जीवन की यह एक अनूठी मिसाल है। उल्लेखनीय है कि श्री रमेश चंद्र शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी के विवाह की स्वर्ण जयंती का भव्य कार्यक्रम 27 फरवरी को इन्दौर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ और सभी उपस्थित महानुभावों ने प्रेम के साथ इन सुनहरे 50 वर्षों के सानिध्य का साथ बड़े ही उत्साहपूर्वक तरीके से एक जश्न के रूप में मनाया।

अंत में, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाते हुए इस और दिशा में एक अनूठा कदम उठाते हुए विशेष अतिथियों को आभार स्वरूप, तुलसी का, चांदी का पौधा भेंट किया गया। इस पौधे की विशेषता यह है कि, यह पौधा न केवल पारंपरिक और धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि इसके स्वास्थ्यवर्धक गुण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की क्षमता इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है और तुलसी को मां लक्ष्मी का भी स्वरूप माना गया है।

मध्य प्रदेश सभा अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला।

राजस्थान में पांच जिलों के चुनाव सम्पन्न

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा राजस्थान के अन्तर्गत श्री गंगानगर, कोटपूतली बहरोड, खैरथल तिजारा, नागौर, चित्तौड़गढ़ जिलों के चुनाव निर्विरोध निर्वाचन से सम्पन्न हुए।

उपरोक्त सभी जिलों की चुनाव प्रक्रिया कमल किशोर गोठडीवाल, महेशचन्द जोपालिया, जगदीशचन्द कंवलेचा, ब्रह्मदेव शर्मा, मोहनलाल लदौया, ओमप्रकाश बरड़वा एवं सुनील माकड़ के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

बसन्त कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी राजस्थान

श्री गंगानगर जिलाध्यक्ष
परमेश्वर लाल जांगिड

खैरतल तिजारा जिलाध्यक्ष
नरेशचन्द शर्मा

कोटपूतली बहरोड जिलाध्यक्ष
नेकीराम जांगिड

नागौर जिलाध्यक्ष
हनुमान राम जांगिड

चितौडगढ़ जिलाध्यक्ष
जी एल सुथार

पांचों नव निर्वाचित जिला अध्यक्षों को, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार तथा प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने बधाई और शुभकामना देते हुए कहा है कि, जिस प्रकार से समाज के लोगों ने उनमें विश्वास व्यक्त करते हुए उनको निर्विरोध निर्वाचित करके समाज सेवा का मौका दिया है और अब इन जिला अध्यक्षों का भी यह दायित्व बनता है कि वह समाज के लोगों को साथ लेकर, समाज को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हुए उनकी आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं।

राजस्थान प्रदेश सभा महामंत्री, कैलाश शर्मा सालीवाले।

जिला अध्यक्ष,नूंह मेवात, अम्बाला और पलवल निर्विरोध निर्वाचित हुए

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा हरियाणा के अन्तर्गत जिला अध्यक्ष पद के लिए तीन जिलों नूह मेवात, पलवल व अंबाला जिले के लिए 16 फरवरी को नामांकन होना था और संयोगवश तीनों जिलों में पलवल जिले के लिए महेंद्र कुमार जांगिड, नूंह मेवात के लिए डॉक्टर मुकेश जांगिड व अंबाला जिले के लिए विनोद कुमार जांगिड के एक-एक नामांकन ही प्राप्त हुए और इसलिए नामांकन वाले दिन ही तीनों प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड ने, तीनों जिलों के नवनिर्वाचित अध्यक्षों को बधाई देते हुए समाज के उन सभी बुद्धिजीवियों को भी बधाई देते हुए कहा है कि समाज हितैषी बंधुओं ने सामाजिक एकता का अनूठा उदाहरण पेश किया इसके लिए सभी जांगिड बंधु का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार के पात्र हैं। उन्होंने पलवल के जिला अध्यक्ष को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

महासभा के प्रधान रामपाल ने प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड के प्रयासों की सराहना करते हुए उन सभी निर्विरोध निर्वाचित जिला अध्यक्षों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है सभी जिला अध्यक्ष सत्यनिष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए, समाज में एकता की ज्योति प्रज्ज्वलित करने के लिए सदैव ही समर्पित भाव से समाज सेवा का कार्य करते रहेंगे।

नूंह मेवात जिला अध्यक्ष
मुकेश जांगिड

पलवल जिला अध्यक्ष
महेन्द्र जांगिड होडल

अम्बाला जिला अध्यक्ष
विनोद कुमार जांगिड

प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद
बूंदी, कुचामन डीडवाना, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, अजमेर

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा बूंदी, कुचामन डीडवाना, सवाई माधोपुर हनुमानगढ़, अजमेर का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने बूंदी, कुचामन डीडवाना, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, अजमेर जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत बूंदी, कुचामन डीडवाना, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, अजमेर जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि	चुनाव अधिकारी
1	बूंदी	20 मार्च 2025 (गुरूवार)	06 अप्रैल 2025 (रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, बूंदी	20 अप्रैल 2025 (रविवार)	महेश चंद जोपालिया 9462006515
2	कुचामन डीडवाना	27 मार्च 2025(गुरूवार)	13 अप्रैल 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, कूचामन	27 अप्रैल 2025(रविवार)	कमलकिशोर गोठडीवाल 9414524982
3	सवाई माधोपुर	20 मार्च 2025 (गुरूवार)	06 अप्रैल 2025 (रविवार)	श्री विश्वकर्मा आश्रम खेरदा, सवाई माधोपुर	20 अप्रैल 2025 (रविवार)	कमलकिशोर गोठडीवाल 9414524982
4	हनुमानगढ	27 मार्च 2025(गुरूवार)	13 अप्रैल 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा सामुदायिक भवन जांगिड सुथार धर्मशाला हनुमानगढ़	27 अप्रैल 2025(रविवार)	ओमप्रकाश बरडवा 9829125351
5	अजमेर	11 अप्रैल 2025(शुक्रवार)	27 अप्रैल 2025(रविवार)	श्री जांगिड कॉपरेटिव एवं सोसायटी बैंक नसीराबाद रोड, अजमेर	11 मई 2025(रविवार)	कमलकिशोर गोठडीवाल 9414524982

नामांकन आवेदन	नामांकन तिथि को प्रातः 10 से मध्यान्ह 1 बजे तक
नामांकन पत्रों की जांच	नामांकन तिथि को मध्यान्ह 1 से 1:30 बजे तक
नाम वापसी	नामांकन तिथि को प्रातः 1:30 से मध्यान्ह 3:30 बजे तक
सर्वसम्मति व एक नामांकन प्राप्त होने पर जिलाध्यक्ष पद की घोषणा एवं शपथ समयानुसार की जावेगी	
अंतिम प्रत्याशियों के नामों की घोषणा	नामांकन तिथि को सायं 3:45 बजे
चुनाव चिह्न आवंटन	नामांकन तिथि को सायं 4 बजे
मतगणना	मतदान समाप्ति के पश्चात

सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि तक बने प्लेटिनम, गोल्ड, रजत, विशेष सम्पोषक, संरक्षक(पत्रिका सहित व पत्रिका रहित) एवं महिला संरक्षक सदस्य ही मतदान हेतु पात्र होगें जिसकी सूची महासभा कार्यालय से प्राप्त होगी। मतदाता सूची में संशोधन मतदान तिथि से 10 दिन पूर्व लिखित आपत्ति प्राप्त होने पर किया जा सकेगा। संशोधित सूची के अनुसार ही मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो-9680010591

सीकर जिला सभा द्वारा समाज उत्थान के लिए 10 सूत्रीय अपील

जिला सभा सीकर द्वारा 2 मार्च को श्रीमाधोपुर के भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर, के प्रांगण में, जिला सभा सीकर की कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन किया गया। महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने मुख्य अतिथि के रूप में मीटिंग को सम्बोधित करते हुए कहा कि महासभा का पिछले तीन वर्षो का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा है और महासभा भवन का निर्माण करके समाज के पुरोधाओं का 117 वर्षो के बाद, प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा उनके सपनों को साकार किया गया और इस महायज्ञ में आप सभी महानुभावों ने यथासंभव सहयोग प्रदान करके, एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा को समाज के लोगों द्वारा पुन: महासभा का निर्विरोध प्रधान निर्वाचित करके, पिछले 30 वर्षो का रिकार्ड ध्वस्त किया गया है और इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। इसके साथ ही प्रधान रामपाल शर्मा ने मुझे भी पुन: समाज सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम सभी मिलकर, महासभा रुपी परिवार के सपनों को साकार करने के लिए कोई भी कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, सीकर जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड ने समाज में परिव्याप्त कुरितियों को दूर करने और समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समाज के दान दाताओं और भामाशाहों से आगे आने का अनुनय-विनय करते हुए कहा कि, इस महापुण्य के कार्य में सभी अपनी महत्ती भूमिका निभाने का स्तुत्य प्रयास करें ताकि शिक्षा के माध्यम से समाज का उत्थान और विकास हो सके।

जिला सभा सीकर के महामंत्री राधेश्याम मांडण ने जिला सभा द्वारा की गई विगत मीटिंग एवं जिला सभा द्वारा जारी अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जिसका कार्यकारिणी एवं उपस्थित समाज बंधुओ द्वारा करतल ध्वनि के साथ अनुमोदन किया गया और जिला सभा के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की गई। उन्होंने जिला सभा द्वारा जारी 10 सूत्रीय अपील को समाज के कल्याण के लिए प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का संकल्प दिलाया।

श्री चौथमल झड़ाया ने समाज की बालिकाओं को उत्तम संस्कार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल देने के साथ ही उनको गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर बल देते हुए कहा कि एक लड़की के शिक्षित करने से तीन परिवारों का कल्याण होता है। इस बैठक में 7 सितम्बर 2023 को जयपुर में आयोजित विश्वकर्मा महाकुम्भ में, श्रीमाधोपुर क्षेत्र के महानुभावों द्वारा विशेष सहयोग करने वाले भामाशाहों को भी साफा पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इनमें ताराचंद, राजेंद्र कुमार, सन्तोष कुमार, नत्थूराम पहलवान और बंसीलाल जांगिड के परिवार के सदस्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त नवनिर्वाचित विश्वकर्मा अध्यक्ष मूलचंद जांगिड रींगस एवं नीमका थाना रामकरण जांगिड, सेवानिवृत्त अध्यापिका श्रीमती पुष्पा जांगिड अनिरुद्ध जांगिड उनकी सुपुत्री मोनिका जांगिड और सुपुत्र को भी सम्मानित किया गया।

जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड ने श्रीमाधोपुर में समाज की संगठन शक्ति को और बढ़ाने के लिए श्रीमती पुष्पा जांगिड को श्रीमाधोपुर, महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष, राधेश्याम जांगिड को जिला सभा संगठन मंत्री, संजय जांगिड हाँसपुर को तहसील अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ श्रीमाधोपुर, नत्थूराम पहलवान को उपाध्यक्ष जिला सभा सीकर, गणेश कोटड़ी को प्रचारमंत्री जिलासभा सीकर एवं सुरेश को श्रीमाधोपुर तहसील उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ नियुक्त करने की घोषणा की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। इनमें सेवा निवृत्त प्राचार्य बाबूलाल, सबलपुरा के लालचंद, मुंडवाड़ा के सीताराम, रामकरण शामिल हैं, जिन्होंने इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

महामंत्री, जिला सभा सीकर, राधेश्याम मांडण ।

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

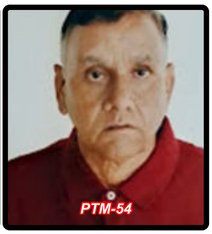

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

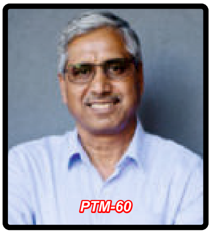

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

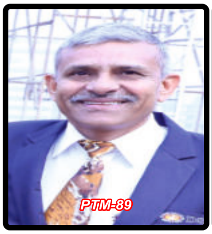

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

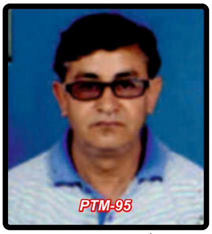

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

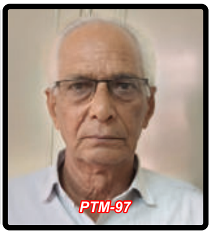

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

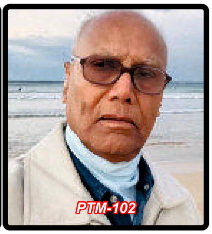

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

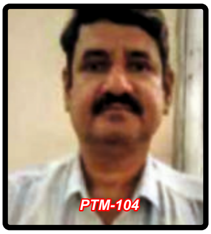

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

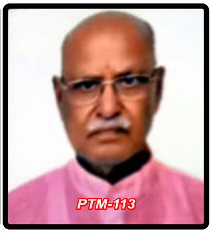

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

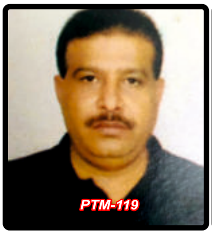

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड़, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

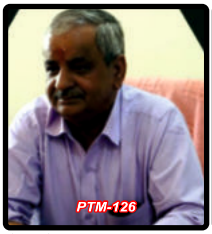

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

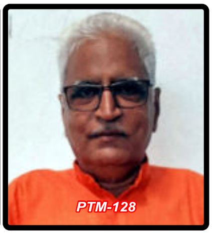

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

श्री राकेश जांगिड, सूरत

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

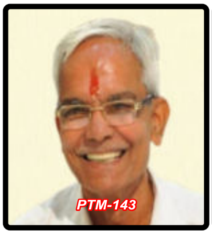

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

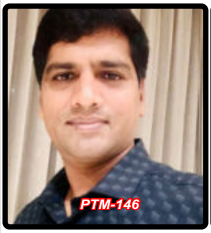

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस-सीकर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

**जीवन में सफलता के लिए
सत्य को सुनना, समझना, और
सत्य बोलना भी जरूरी है**

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला (इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा 1,31,00,000/-

श्री रामपाल शर्मा (बेंगलुरू) प्रधान महासभा 1,25,00,000/-

श्री भंवर लाल कुलरिया मुम्बई, 31,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड मै.सुमित वुड वर्क्स लि. (मुम्बई) 21,00,000/-

श्री पी.एल. शास्त्री, (गुरूग्राम) 13,51,551

श्री कांति प्रसाद जांगिड (टाईगर) (दिल्ली) 11,51,151/-

श्री लादूराम सिद्धड, (संगम विहार, दिल्ली) 11,51,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली 11,50,500/-

श्री भंवरलाल गुगरिया (बेंगलुरू) 11,01,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (बेंगलुरू) 11,01,000/-

श्री रविशंकर शर्मा, (जयपुर), पूर्व प्रधान महासभा 11,00,000 /-

श्री सीताराम शर्मा (बैंगलोर) 11,00,000/-

श्री एकलिंग प्रसाद जांगिड सूरत, महासभा भवन हेतु ग्रेनाइट सहित 11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली (सीकर, राजस्थान वाले), 11,00,000 /-

श्री लक्ष्मण जांगिड (मुम्बई) 11,00,000 /-

श्री कैलाश चन्द जांगिड आया नगर, दिल्ली 11,00,000

श्री मदन लाल जांगिड (कानपुरा वाले)द्वारका दिल्ली 11,00,000

श्री लीलूराम शर्मा चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली 7,50,000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स(पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स, दिल्ली 5,55,551/-

श्री अनिल कुमार जांगिड, आया नगर, दिल्ली 5,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड
जोधपुर, अंतरराष्ट्रीय
प्रकोष्ठ, 5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसायटी
यमुना विहार दिल्ली
5,00,000/-

श्री सुरेश शर्मा
सावेर रोड, इन्दौर
5,00,000

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

राजस्थान प्रदेशसभा
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(मीरा रोड, भायन्दर)
5,00,000/-

श्री फूल कुमार शर्मा
(पूजा भट्टा वाले),सोनीपत,हरि.
5,00,000

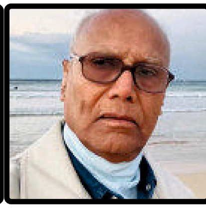
श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड, धारूहेड़ा, रेवाड़ी 3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा बेंगलुरू 3,02,000

डॉ. शेरसिंह जांगिड गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.) 2,62,111/-

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली 2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा (पूर्व जिला प्रमुख, करौली) दिल्ली 2,51,151/-

श्री अभय शर्मा रामगंज, अजमेर 2,51,051/-

श्री रवि जांगिड (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्रीमती सावित्री शर्मा धर्मपत्नी श्री बाबूलाल (बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा (नजफगढ़, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा (रोहिणी, दिल्ली) 2,51,000/-

श्री नीरज शर्मा हरि नगर, दिल्ली 2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड, मुम्बई 2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड (भाईदर,वेस्ट,मुम्बई) 2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड (जयपुर), 2,51,000/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले) (जयपुर) 2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा (नदबई), 2,51,000/-

श्री बनवारी लाल खंडेलसर (सीकर), 2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामकरण शर्मा
(फरीदाबाद)
2,51,000/–

श्री टेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/–

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास,
(मध्य प्रदेश)
2,50,000/–

श्री प्रहलादराय जांगिड
(नांदेड)
2,50,000/–

श्री जगदीश प्रसाद जांगिड
बदरपुर दिल्ली
2,50,000/–

श्री लक्ष्मी नारायण जांगिड
गुडगांव
2,22,222/–

श्री प्रभुदयाल बरनेला
इन्दौर, मध्य प्रदेश
2,21,101/–

श्री बाबूलाल शर्मा
(अहमदाबाद)
2,01,000/–

श्री संजय शर्मा हर्षवाल
(जयपुर)
2,00,000/–

जिलासभा
बाड़मेर
2,00,000/–

श्री जगन्नाथ जांगिड,
बावल-रेवाडी
1,72,000/–

श्री खुशीराम जांगिड
धारूहेडा-रेवाड़ी
1,72,000/–

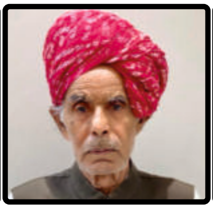
श्री चांदमल बालुराम जांगिड
सूरत, राजलोता
1,61,000/–

श्री चौथमल जांगिड
सौरभ विहार, दिल्ली
प्रधान कार्यालय फर्नीचर, 1,61,000/–

श्री योगिन्द्र शर्मा
दिल्ली
1,53,000/–

श्री शिव चन्द्र,
अटेली मण्डी, नारनौल,
महेन्द्रगढ 1,51,555/–

श्री सत्यपाल वत्स,
(बहादुरगढ़)
1,51,251/–

श्री बाबू लाल शर्मा
(इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,151/–

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर
1,51,111/–

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/–

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
(गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

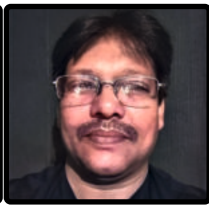
श्री देवेन्द्र गौतम,
उत्तम नगर (दिल्ली)
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार, दिल्ली
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
ठाणे, मुम्बई
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
धुलिया
1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी
श्री नत्थूराम शर्मा,
बहादुरगढ़, 1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

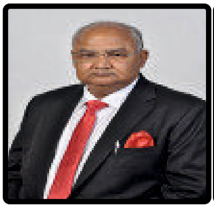
श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्रीमती उर्मिला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
1,51,000

श्रीमती सुषमा, धर्मपत्नी
श्री किशोर कुमार जांगिड
बहादुरगढ 1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
हिसार
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री राधेयाम पालडिया
बोपल, अहमदाबाद, गुजरात
1,51,000/-

श्री प्रबोध कुमार जांगिड
उत्तम नगर, दिल्ली
1,51,000/-

स्व.श्री नेमीचन्द शर्मा
गांधीधाम, 1,51,000/-
पूर्व प्रधान महासभा

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

जिलासभा
पुणे
1,50,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

श्री रोहिताश जांगिड
(औरंगाबाद, महा0)
1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड
समाज सेवा समिति
सोजत, पाली
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

शाखासभा
उत्तम नगर
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगिड
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी
स्व. श्री कृष्ण कु बिजेनिया
(द्वारका मोड, दिल्ली)
1,11,000/-

शाखासभा
नजफगढ़
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

जांगिड ब्राह्मण
कल्याणकारी समिति
श्याम विहार, दिल्ली
1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री महासिंह जांगडा
नांगलोई, दिल्ली
1,11,000

श्री ओम नारायण शर्मा,
साहिबाबाद
1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड
(रोहतक)
1,02,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राहुल जांगिड
पूठ खुर्द
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा
समालखा (पानीपत)
1,01,111/-

श्री सुनील कुमार जांगिड
मयुर विहार, दिल्ली
1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री बृजमोहन जांगिड
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल
जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री चंपा लाल शर्मा
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड
(बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा
(प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा
आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य
कोंडली-पूर्वी दिल्ली
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज
ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा
ज्योति कालोनी
दिल्ली 1,01,000/-

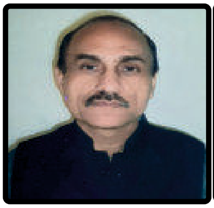
श्री सत्यनारायण शर्मा
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड
श्याम विहार, दिल्ली
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड
(दिल्ली)
1,01000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड,
मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

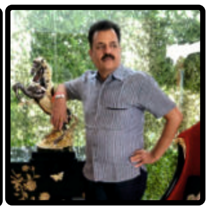
श्री अशोक कमार शर्मा
(औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड
गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गणेशमल सुथार राजलदेसर चुरू, 1,01,000/-

श्री रविन्द्र कुमार जांगिड (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना, 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड धर्मपत्नी श्री प्रदीप कुमार सोनीपत 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्रीमती सुशीला शर्मा W/o श्री लख्मीचन्द शर्मा कुण्डली, सोनीपत,1,01,000/-

श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री मंगलसैन शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

जांगिड यूथ संगम विहार, दिल्ली 1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड (नांगलोई, दिल्ली) 1,00,000/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश चंद शर्मा (इंदौर) 1,00,000/-

श्री सूरजमल मिस्त्री (मुम्बई, महा0) 1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल (अजमेर) 1,00,000/-

श्री पूरनचन्द एवं ओम प्रकाश शर्मा, नीमराना, 1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड (जयपुर) 1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री विजय शर्मा (ताबडू) 1,00,000/-

श्री प्रेम कुमार जांगिड करड वाले, GST (सीकर) 1,00,000/-

जिलासभा रायपुर 1,00,000/-

''तेरा मेरा'' करते एक दिन चले जाना है....
जो भी कमाया यही रह जाना है
कर ले कुछ अच्छे कर्म
साथ यही तेरे आना है।

वर चाहिए

2. गृह कार्य में दक्ष, गौर वर्ण, सुंदर, सुशील, एमबीए (एचआर) पास (फिलहाल कहीं कार्यरत नही), कद 5'7", उम्र 31 वर्ष, जन्म तिथि 03 अगस्त 1993, जन्म समय अपराह्न 02.41 बजे, कुमारी गार्गी शर्मा पुत्री स्वर्गीय विजय पाल एवं श्रीमती रमा शर्मा, जन्म स्थान व निवासी थाना भवन, जिला शामली, उत्तर प्रदेश के लिए सुयोग्य वर चाहिए। इच्छुक माता-पिता नीचे दिए गए मोबाइल फोन पर संपर्क करें। ताऊजी-9670000100,चाचाजी-6239689271 माताजी-9045623749

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education - B.Tech, MBA,Job-Private, **Gotra** : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

क्र.सं.	दानराशि	नाम/पिता का नाम/पति का नाम	स्थान
01	76000.00	श्री हेम राज जांगिड सुपुत्र श्री प्रभुदयाल जांगिड	कोटपुतली-जयपुर, राज०
02	71000.00	श्री रविंदर कुमार शर्मा सुपुत्र श्री राम सिंह	आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली
03	71000.00	श्री लीला राम जांगिड सुपुत्र श्री श्रीराम शर्मा	बहरोड़-अलवर, राजस्थान
04	52100.00	श्री ब्रह्म दत्त शर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद	गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
05	51521.00	श्री रामेश्वर दास सुपुत्र श्री राम किशन	बहादुरगढ़, हरियाणा
06	51251.00	श्री रमेश जांगडा सुपुत्र श्री हमीर सिंह	कोटला बिहार, दिल्ली
07	51151.00	श्री सिलक राम जांगडा सुपुत्र श्री मंगल राम जांगड़ा	नांगलोई, दिल्ली
08	51151.00	श्री कृष्ण चन्द्र जांगड़ा सुपुत्र श्री गुरदयाल जांगड़ा	सिलाना-झज्जर, हरियाणा
09	51151.00	श्री रण सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री शिव लाल जांगड़ा	सिलाना-झज्जर, हरियाणा
10	51151.00	श्री सुनील सिंह सुपुत्र श्री मुख्तियार सिंह जांगिड	फरीदाबाद, हरियाणा
11	51151.00	श्री महेन्द्र कुमार आर्य सुपुत्र श्री सूरज भान	महेन्द्रगढ़, हरियाणा
12	51111.00	श्री भोपाल सिंह शर्मा सुपुत्र श्री मनफूल जांगिड	आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली
13	51111.00	श्री ब्रह्म दत्त शर्मा सुपुत्र श्री अमर सिंह शर्मा	नांगलोई, दिल्ली
14	51111.00	श्री कृष्ण खंडेलवाल सुपुत्र श्री सुधन राम	गोहाना-सोनीपत,हरियाणा
15	51100.00	श्री शैतान मल शर्मा सुपुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा	इंदौर, मध्य प्रदेश
16	51100.00	श्री वेद प्रकाश जांगिड सुपुत्र श्री फतेह सिंह	सोनीपत, हरियाणा
17	51000.00	श्री हरपाल शर्मा सुपुत्र श्री ज्ञान चन्द शर्मा जी	मेरठ, उत्तर प्रदेश
18	51000.00	श्री मुकेश शर्मा सुपुत्र श्री ब्रह्म सिंह	मोदी नगर, उत्तर प्रदेश
19	51000.00	प्रदेश सभा उत्तराखंड	हरिद्वार, उत्तराखंड
20	51000.00	श्री सवाईराम जांगिड सुपुत्र श्री भीयाँराम (डेचु-जोधपुर)	बैंगलुरु, कर्नाटक
21	51000.00	श्री महावीर जांगिड सुपुत्र श्री पालाराम जी जांगिड	अहमदाबाद, गुजरात
22	51000.00	श्री सूरज मल बरनेला सुपुत्र श्री केशर मल बरनेला	दुर्ग, छत्तीसगढ़
23	51000.00	श्री विनोद कुमार शर्मा सुपत्र श्री रुड़ाराम	रायपुर, छत्तीसगढ़
24	51000.00	श्री महेंद्र कुमार जांगिड सुपुत्र श्री बाबूलाल,झुंझुनूं	हैदराबाद, तेलंगाना
25	51000.00	श्री प्रमोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री राजकुमार जांगिड	हैदराबाद, तेलंगाना
26	51000.00	श्री राजेश एवं निर्मल जांगिड सुपुत्र श्री सत्यनारायण जांगिड	हैदराबाद, तेलंगाना
27	51000.00	श्री विनोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री झाबरमल	हैदराबाद, तेलंगाना
28	51000.00	श्री विनोद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री मुरलीधर	हैदराबाद, तेलंगाना
29	51000.00	श्री जग शोरन सिंह	अशोक नगर, दिल्ली
30	51000.00	श्री विजय दत्त शर्मा सुपुत्र श्री शिव राज शर्मा	आईपी एक्सटेंशन,दिल्ली
31	51000.00	शाखा सभा इंद्रा पार्क	इंद्रा पार्क, दिल्ली
32	51000.00	श्री अशोक कुमार जांगिड सुपुत्र श्री राम पाल	खिचड़ीपुर, दिल्ली
33	51000.00	शाखा सभा तुलसी नगर	त्रि नगर, दिल्ली
34	51000.00	सोनिया शर्मा	द्वारका, दिल्ली
35	51000.00	श्री हीरा लाल शर्मा सुपुत्र श्री प्रभाती लाल	नजफगढ़, दिल्ली
36	51000.00	श्री कृष्ण कुमार आशौदा सुपुत्र श्री हरिचन्द जांगिड	नजफगढ़, दिल्ली
37	51000.00	श्री जगबीर सिंह जांगड़ा	नांगलोई, दिल्ली
38	51000.00	श्री राजेन्द्र सिंह जांगिड सुपुत्र श्री राम प्रसाद	नांगलोई, दिल्ली
39	51000.00	श्री रोहिताश जांगिड सुपुत्र श्री प्रताप सिंह	नांगलोई, दिल्ली
40	51000.00	शाखा सभा पपरावट	पपरावट, दिल्ली
41	51000.00	श्री थान चंद सुपुत्र श्री रमलेश जांगिड	रोहिणी,दिल्ली
42	51000.00	श्री संजय शर्मा सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह	रोहिणी,दिल्ली

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

क्र.सं.	दानराशि	नाम/पिता का नाम/पति का नाम	स्थान
43	51000.00	श्री नारायण दत्त (साड़ी वाले) सुपुत्र श्री पूरन लाल जांगिड	लक्ष्मी नगर, दिल्ली
44	51000.00	श्रीमति शकुंतला देवी	समयपुर, दिल्ली
45	51000.00	श्री ओम प्रकाश जांगिड सुपुत्र श्री थावर राम	साध नगर, दिल्ली
46	51000.00	श्री बंशीलाल चिचोलिया सुपुत्र श्री पालीराम	इंदौर, मध्य प्रदेश
47	51000.00	श्रीमति मधु शर्मा सुपुत्री श्री दुलीचंद शर्मा	इंदौर, मध्य प्रदेश
48	51000.00	श्री सत्य नारायण शर्मा सुपुत्र श्री मोहन लाल जांगिड	इंदौर, मध्य प्रदेश
49	51000.00	श्री बलराम जांगिड (सिलक)सुपुत्र श्री मुन्शीलाल जांगिड	हरदा, मध्य प्रदेश
50	51000.00	श्री हरलाल जांगिड सुपुत्र श्री भगवाना राम जांगिड	मीरा रोड-भायंदर,महाराष्ट्र
51	51000.00	श्री गोपाल जांगिड सुपुत्र श्री गंगाधार जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
52	51000.00	श्री इंद्र चंद शर्मा सुपुत्र श्री मुरलीधर	नागपुर, महाराष्ट्र
53	51000.00	श्री श्रीराम जांगिड सुपुत्र श्री मालीराम जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
54	51000.00	श्री सीताराम जांगिड सुपुत्र श्री सोहन लाल जांगिड	नागपुर, महाराष्ट्र
55	51000.00	जांगिड ब्राह्मण सेवा समिति	नासिक, महाराष्ट्र
56	51111.00	श्री बाबू लाल जांगिड सुपुत्र श्री केशर देव जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
57	51100.00	श्री दयानंद सुपुत्र श्री रामकुमार जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
58	51100.00	श्री गणेशराम सुपुत्र श्री मुखराम जांगिड	मुंबई, महाराष्ट्र
59	51000.00	श्री ओम प्रकाश शर्मा सुपुत्र श्री जगन राम शर्मा	मुंबई, महाराष्ट्र
60	51000.00	श्री प्रहलाद कुमार जांगिड सुपुत्र श्री भंवर लाल जांगिड	मीरा रोड-भायंदर,महाराष्ट्र
61	51000.00	श्री प्रहलाद राय शर्मा सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा	खार-मुंबई, महाराष्ट्र
62	51000.00	श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड सुपुत्र श्री रामेश्वर लाल जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
63	51000.00	श्री रमेश जांगिड (ग्रामीण) सुपुत्र श्री केशर देव जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
64	51000.00	श्री सांवरमल सुपुत्र श्री रामगोपाल जांगिड	कांदिवली-मुंबई,महाराष्ट्र
65	51000.00	श्री सुरेन्द्र जांगिड सुपुत्र श्री डेडा राम जांगिड	भायंदर-मुंबई, महाराष्ट्र
66	51000.00	श्री कैलाश चन्द लोईवाल सुपुत्र श्री माली राम जांगिड	बगरू-जयपुर, राजस्थान
67	51000.00	श्री अशोक जांगिड सुपुत्र श्री मुला राम जांगिड	सोजत -पाली, राजस्थान
68	51000.00	श्री अजीत सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री प्यारे लाल जांगड़ा	सिलानी गेट-झज्जर, हरि०
69	51000.00	श्रीमती रजवन देवी धर्मपत्नी श्री खेता राम जांगिड	छारदड़ा-बहरोड , राज०
70	51000.00	श्री अजीत सिंह जांगड़ा सुपुत्र श्री राम किशन	बहादुरगढ़, हरियाणा
71	51000.00	श्री बलराज शर्मा सुपुत्र श्री नत्थू राम शर्मा	बहादुरगढ़, हरियाणा
72	51000.00	श्री लीलू राम शर्मा सुपुत्र श्री किशोरी लाल जांगडा	बहादुरगढ़, हरियाणा
73	51000.00	श्री राजबीर जांगड़ा सुपुत्र श्री मामचन्द जांगड़ा	सोनीपत, हरियाणा
74	51000.00	श्री सुभाष जांगिड सुपुत्र श्री जगन नाथ (बरसिंहपुरा वाले)	जयपुर, राजस्थान
75	51000.00	श्री प्रहलाद राय जांगिड सुपुत्र श्री भैरू लाल जांगिड	दूजोद-सीकर ,राजस्थान
76	51000.00	श्री रोहिताश चन्द शर्मा सुपुत्र श्री भानी सहाय	पालम कालोनी, दिल्ली
77	51000.00	श्री रमेश खरनालिया सुपुत्र किशनलाल खरनालिया	औरंगाबाद, महाराष्ट्र
78	51000.00	श्री मुकेश कुमार जांगिड सुपुत्र श्री अर्जुन सिंह	शामली-उत्तर प्रदेश
79	51000.00	श्री राधेश्याम जांगिड सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह	शामली-उत्तर प्रदेश
80	51000.00	श्री सुबोध शर्मा सुपुत्र श्री राम पाल	खिचड़ीपुर-दिल्ली
81	51000.00	श्री निशिकांत शर्मा सुपुत्र श्री बजरंगलाल शर्मा	मुम्बई-महाराष्ट्र

शोक संदेश

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि महासभा के प्लेटिनम सदस्य श्री नरेश शर्मा पुत्र सत्यप्रकाश शर्मा जांगिड अंकेलश्वर मूल गाँव-भैंसलाना (पावटा) राज. एवं पुत्रवधू श्रीमती मीना देवी जी का अचानक रोड एक्सीडेट में देवलोक गमन होने पर दु:खद घटना के बारे में जानकर हृदय को अपार दु:खद एवं पीड़ा की अनुभूति हुई।

समाज के भामाशाह जिंदादिल तथा सामाजिक कार्यो में सदैव तत्पर रहने वाले श्री नरेश शर्मा बड़े ही सहज, सरल, मृदुभाषी, मिलनसार एवं सबको साथ लेकर चलने वाले व्यक्तित्व के धनी थे तथा उनकी समाज सेवा एवं समाज उत्थान के प्रति समर्पण की भावना को सदैव ही याद रखा जायेगा। उन दोनों के स्वर्ग लोकगमन से आपके परिवार को ही नहीं अपितु समस्त जांगिड समाज को भी अपूर्णीय क्षति पहुँची हैं।

गुजरात प्रदेश सभा और महासभा दिल्ली परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती हैं कि स्वर्गीय नरेश शर्मा एवं पुत्रवधू की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, शान्ति, शान्ति।।

मानाराम सुथार नवसारी,
गुजरात प्रदेश सभा (महामंत्री)

शिल्प समाज में जागृति का शंखनाद।

शिल्प समाज में जागृति की लौं हमें ज्योति जगानी होगी।
हमारे पूर्वजों जैसी मान-मर्यादा प्रतिष्ठा पुन: बनानी होगी।।
आज हम सभी अपने पुरोधाओं की आन-बान को भूल गये।
ऐसी महान विभूति स्वाभिमान की खातिर संकटों से झूल गये।।
उनके तप, त्याग, साधना की गाथा, आज फिर दोहरानी होगी ।1।

ऐसी विकट परिस्थितियों में भी पुरखों ने मिलकर विचार किया था।।
पैदल चल, भूखे रहकर एक स्वाभिमानी संगठन तैयार किया था ।
आज महासभा के गठन की गाथा, नई पीढ़ी को सुनानी होगी ।2।

गोरधन दास शर्मा, मथुरा से, और इन्द्रमणि लखनऊ से आए थे।
पालाराम, पंजाब से चलकर, पंडित डालचन्दजी को साथ लाए थे।।
जयकृष्ण जी मणिठिया दिल्लीवासी, की महिमा भी गानी होगी ।3।

हमारे सभी पुरखों ने मिल कर समस्याओं पर गम्भीर विचार किया,
एक अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा संगठन तैयार किया।।
हैदर कुली चांदनी चौक दिल्ली दफ्तर की कहानी भी दोहरानी होगी ।4।

जांगिड समाज का यह राष्ट्रीय स्तर पर, संगठन 1907 में तैयार हुआ ।
महापुरुषों की सूझ-बूझ से महासभा का एक संविधान भी तैयार हुआ ।।
महासभा की, जांगिड ब्राह्मण मासिक पत्रिका की महिमा भी गानी होगी ।5।

तीन वर्षों के पश्चात् प्रधान का चुनाव, नियमों के अनुसार करवाना होगा।
महासभा की कार्य कारिणी का गठन भी, प्रधान जी द्वारा ही करना होगा।।
नव निर्मित मुंडका भवन की भव्यता की महिमा भी, आज गानी होगी ।6।

आज शिल्प समाज में जागृति की अलख और ज्योति हमें जगानी होगी।

सेवानिवृत प्रधानाचार्य, देशराज आर्य, जांगिड रेवाड़ी।

जांगिड विकास समिति जोबनेर द्वारा 6 मार्च को आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान नव दम्पतियों की चित्रावली

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 March 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)